के. डी. न्यूज

सुलतानपुर से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

UPHIN 47497

वर्ष–01 अंक 38 सुलतानपुर गुरूवार 12 दिसम्बर 2024 मूल्य : दो रूपया पृष्ठ : 4

पीएम से पहले सीएम ने लिया महाकुम्भ की तैयारियों का जायजा, कहा आल इज ओके

पीएम मोदी के कार्यक्रम के लिए की जा रही तैयारियों पर जताया संतोष, संबंधित अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

एजेंसी/महाकुम्भनगर। महाकुम्भ 2025 के लिए हजारों करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण करने शुक्रवार को प्रयागराज आ रहे पीएम मोदी के कार्यक्रमों की तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को सीएम

योगी प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने महाकुम्भ नगर में चल रही तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान वह संगम नोज भी पहुंचे जहां पीएम मोदी शुक्रवार को पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां पीएम मोदी के भ्रमण की पूरी रूपरेखा को समझा और बिना बाधा कार्यक्रम संपन्न कराने के लिए अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किए। यही नहीं, सीएम योगी ने मेला क्षेत्र में अस्थायी अस्पताल, अक्षय वट, सरस्वती कूप, लेटे हनुमान मंदिर पहुंचकर वहां भी तैयारियों का जायजा लिया। लेटे हनुमान मंदिर में सीएम ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजन व दर्शन भी किया। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को पीएम मोदी प्रयागराज में उपस्थित रहेंगे और संगम नोज पर गंगा आरती व पूजन के साथ ही वह यहां जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

अस्थायी अस्पताल में वेंटिलेशन का दिया निर्देश

सीएम योगी सबसे पहले सेक्टर वन परेड में बनाए गए 100 बेड के अस्थायी अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे। महाकुम्भ 2025 को देखते हुए चिकित्सा परिवार कल्याण विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा इस अस्थायी अस्पताल का निर्माण किया गया है। मुख्यमंत्री ने यहां इमरजेंसी वार्ड, इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू), ओपीडी के साथ ही वेटिंग एरिया, मुख्य वार्ड, फीमेल वार्ड, चिल्ड्रेन वार्ड और ऑपरेशन थिएटर का गहन निरीक्षण किया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में दी जा रही सुविधाओं के विषय में जानकारी दी। आईसीयू में एआई कैमरों के इस्तेमाल के साथ ही हाईटेक एआई मैसेजिंग फ्लो सिस्टम के बारे में उन्हें पूरे विस्तार से बताया गया। इसके साथ ही, अस्पताल में स्थापित लैबोरेट्री के विषय में भी बताया गया, जिस पर मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। केंद्रीय अस्थायी अस्पताल के माध्यम से उन्हें हर संभव मदद मिलनी चाहिए। चिकित्सकों के साथ ही स्टाफ और दवाइयों की कोई कमी नहीं रहनी चाहिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने अस्पताल में वेंटिलेशन के बेहतर इंतजाम किए जाने के भी निर्देश दिए। मालूम हो कि महाकुम्भ के लिए बनाए गए इस अस्थायी अस्पताल में कुल 100 बेड हैं जिसमें 10 बेड का आईसीयू भी सम्मिलित है। इसमें कुल 381 डॉक्टर्स को तैनात किया गया है, जिसमें फिजीशियन, सर्जन, गायनेकोलॉजिस्ट, पीडियाट्रिक्स समेत अन्य शामिल हैं। 10 बेड के आईसीयू को कैंट बोर्ड संचालित करेगा, जिसमें मेदांता के डॉक्टर्स का भी सहयोग रहेगा। संगम नोज का किया स्थलीय निरीक्षण

अस्पताल से सीएम सीधा किला घाट पहुंचे जहां उन्होंने नव निर्मित जेटी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अधिकारियों को घाट पर श्रद्धालुओं के स्नान व अन्य सुविधाओं को सुनिश्चित करने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यहां से सीएम संगम नोज पहुंचे, जहां शुक्रवार को पीएम मोदी पूजन अर्चन करेंगे। उन्होंने यहां स्थलीय निरीक्षण किया। मेलाधिकारी विजय किरण आनंद ने उन्हें पीएम मोदी के क्रूज से भ्रमण को लेकर सभी तैयारियों के विषय में विस्तृत से जानकारी दी। सीएम ने सभी व्यवस्थाओं को देखा और सभी पैरामीटर्स का ध्यान रखते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। वह काफी देर यहां रुके और गंगा की निर्मल धारा को निखारते रहे।

अक्षय वट के किए दर्शन

यहां से सीएम योगी ने प्रयाग किले के अंदर स्थित अक्षय वट कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण किया। सीएम ई कार्ट से अक्षय वट कॉरिडोर पहुंचे। यहां स्मार्ट सिटी के तहत किए जा रहे कार्यों को उन्होंने देखा और अक्षय वट के विषय में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने दर्शन कर पूर्जा अर्चना की। सीएम ने यहां चल रहे सौंदर्यीकरण खासकर श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप प्रतिमा को सराहा और फोटो शूट भी कराया। सप्तऋतियों की कलाकृतियों को देखकर भी वह भाव विभोर हो गए। यहां आर्मी के अधिकारियों ने उन्हें अक्षय वट की तस्वीर भी भेंट की।

जनपद के 75 आंगनबाड़ी केंद्र माडल के रूप में किए जा रहे हैं विकसित।

सुलतानपुर जनपद के 14 विकासखंडों में से 75 आंगनबाड़ी केंद्र मॉडल के रूप में विकसित किए जा रहे हैं। इस बात की जानकारी एक भेंटवार्ता के दौरान बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी शरद कुमार त्रिपाठी ने के. डी. न्यूज को बताई। उन्होंने बताया कि इन केंद्रों का हर सुविधा से संपन्न अपना भवन होगा। इन्हें संचालित योजनाओं से शत–प्रतिशत आच्छादित किया जाएगा। श्री त्रिपाठी ने आगे बताया कि अभी जनपद में कुल 2511 आंगनबाड़ी केंद्र हैं जिसमे से 75 आगनबाड़ी केंद्रों को ग्राम पंचायत के माध्यम से कायाकल्प के लिए चिन्हित कर कार्य शुरू किया गया हैं

और आगे इनको ही मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित किया जाएगा। गौरतलब हो कि जिले में 2511 आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जिसमें तीन से छह वर्ष के करीब डेढ़ लाख और इससे ऊपर की उम्र के भी एक लाख 60 हजार से अधिक बच्चे पंजीकृत हैं

और साथ ही लगभग 50 हजार के आसपास गर्भधात्री भी हैं। मॉडल आंगनबाड़ी केंद्रों के रूप में विकसित हो जाने पर लाभार्थियों का भी कायाकल्प हो जाएगा।

केजरीवाल ने की महिलाओं के लिए बड़ी घोषणा, चुनाव के बाद खाते में हर महीने आएगे 2,100 रुपये

नयी दिल्ली दिल्ली विधानसभा चुनाव बिल्कुल नजदीक आ गया है और उसको देखते हुए अब आम आदमी पार्टी ने अपनी घोषणाओं का पिटारा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ऑटो चालकों के बाद दिल्ली की महिलाओं को साधने की कोशिश की है और इसके लिए अरविंद केजरीवाल ने महिला सम्मान योजना नाम से एक कार्यक्रम में महिलाओं के लिए गुरुवार से ही हर महीने उनके अकाउंट में 1,000 भेजने का रजिस्ट्रेशन शुरू कर दिया है। अरविंद केजरीवाल ने इस 1,000 को चुनाव के बाद 2,100 रुपये करने का वादा महिलाओं से किया है।अरविंद केजरीवाल ने कहा, आज मैं दिल्ली के लोगों के लिए दो बड़ी घोषणाएं करने आया हूं और ये दोनों घोषणाएं दिल्ली की महिलाओं के लिए हैं। मैंने वादा किया था कि महिलाओं के अकाउंट में 1 हजार रुपये डाले जाएंगे। आज आतिशी के नेतृत्व में ये फैसला कैबिनेट में पास हो चुका है। ये योजना दिल्ली में लागू हो चुकी है।अरविंद केजरीवाल ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी माताएं और बहनें बच्चों का पालन पोषण करती हैं। घर की जिम्मेदारी उठाती हैं। घर को सही तरीके से चलती हैं और बच्चों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाती हैं और यही जिम्मेदार बच्चे आगे चलकर देश का भविष्य बनते हैं। इसलिए आम आदमी पार्टी ने यह फैसला लिया था कि हम महिलाओं के अकाउंट में 1,000 रुपये हर महीने डालेंगे। यह योजना हमने मार्च में ही बनाई थी ताकि मई और जून से पैसे महिलाओं के अकाउंट में पहुंचने लगें। लेकिन साजिश करके मुझे जेल भेज दिया गया और अब मैं 6 से 7 महीने रहकर जेल से बाहर आया हूं और आते ही मैं आतिशी के साथ मिलकर इस योजना को पूरा करने में जुट गया था। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि गुरुवार को सुबह 10 बजे आतिशी के साथ हुई कैबिनेट बैठक में यह फैसला पास हो गया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि मैं अपनी दूसरी बड़ी घोषणा करना चाहता हूं और उसके मुताबिक जिस 1,000 को कैबिनेट से मंजूरी मिली है उसे चुनाव के बाद 2,100 कर दिया जाएगा, क्योंकि हमें कुछ महिलाओं ने आकर कहा था कि महंगाई काफी बढ़ गई है। इसलिए अब 1,000 रुपये की जगह चुनाव के बाद दिल्ली सरकार की तरफ से हर महिला के लिए जो रजिस्ट्रेशन करवाएगी उसके अकाउंट में डाले जाएंगे।अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब मैंने यह घोषणा की थी कि मैं बिजली मुफ्त दूंगा तो भाजपा वाले कहते थे कि कैसे कर पाओगे यह नहीं हो सकता। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि मैं जादूगर हूं और मैं अकाउंट का जादूगर होने के नाते यह जानता हूं कि किन खर्चों को कम करना है और किसकी भरपाई किसकी कटौती से करनी है।

पीएम मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज दौरे पर जाएंगे

एजेंसी/नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 दिसंबर को उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे। वह प्रयागराज जाएंगे और दोपहर करीब 12रू15 बजे संगम नोज पर पूजा और दर्शन करेंगे। पीएम दोपहर करीब 12रू40 बजे अक्षय वट वृक्ष की पूजा करेंगे। पूजा के बाद पीएम मोदी हनुमान मंदिर और सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा करेंगे। दोपहर करीब 1रू30 बजे वह महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण करेंगे। इसके बाद दोपहर करीब 2 बजे वह प्रयागराज में 6,670 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शुभारंभ करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी महाकुंभ 2025 के लिए विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। इसमें बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और प्रयागराज में निर्बाध कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए 10 नए रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) या फ्लाईओवर, स्थायी घाट और रिवरफ्रंट सड़कें जैसी विभिन्न सड़क परियोजनाएं शामिल होंगी।

वहीं, स्वच्छ और निर्मल गंगा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री मोदी गंगा नदी तक जाने वाले छोटे नालों के अवरोधन, टैपिंग, डायवर्जन और ट्रीटमेंट प्लांट का भी उद्घाटन करेंगे, जो नदी में अनुपचारित पानी के शून्य निर्वहन को सुनिश्चित करेगा।

न्यायालय सर्वोपरि है, इनका निर्णय सर्वमान्य है : दिनेश शर्मा

एजेंसी/नयी दिल्ली। प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट, 1991 की संवैधानिक वैधता को लेकर तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं। इन सबके बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्य सभा सांसद दिनेश शर्मा ने गुरुवार को कहा कि न्यायालय सर्वोपरि है जो भी निर्णय दिया जाएगा वो सर्वमान्य होगा।

उन्होंने कहा, "पूजा स्थल के बारे में न्यायालयों की कई बार टिप्पणियां आई हैं। उन्होंने जो पुरातात्विक संरक्षित इमारतें हैं, जिन पर कोई काम नहीं होना चाहिए, उनके बारे में कभी किसी प्रकार का रोक नहीं लगाया। न्यायालय सर्वोपरि है, जो निर्णय देता है, वही सबको मान्य होता है और मैं समझता हूं कि इस संदर्भ में कई बार न्यायालय के विस्तृत निर्णय आए हैं, जिनको आज की स्थिति में भी संदर्भ के रूप में देखा जाएगा। मुझे लगता है कि न्यायालय उन पिछले टिप्पणियों और निर्णयों को ध्यान में रखेगा।उन्होंने कांग्रेस के नेताओं को अल्पज्ञानी बताया। कहा, "यह लोग तथाकथित नेता हैं, जिनको टिप्पणियों का विश्लेषण भी नहीं आता, ये किसने कब, किस संदर्भ में क्या कहा, इसका विचार किए बिना बस शोर मचाते रहते हैं। जैसे किसी ने कुछ बोला, तो सब चिल्लाने लगते हैं, ष्कौवा ले गया, कौवा ले गयाष, बिना किसी संदर्भ के ये लोग हल्ला करने लग जाते हैं। यह विपक्ष की विडंबना है कि वह कांग्रेस के षड्यंत्र में फंस जाता है। विपक्ष के अपने दल अलग–अलग हैं, लेकिन उनमें अपनी अलग सोच करने की शक्ति मुझे इस सत्र में दिखाई नहीं दी। कांग्रेस का षड्यंत्र यही है कि वह सोरोस के मुद्दे को किसी भी तरीके से कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इसके लिए वे तरह–तरह के षड्यंत्र रचते हैं।उन्होंने जगदीप धनखड़ के बारे में कहा, "धनखड़ जी का जो व्यक्तित्व है, वह एक किसान पुत्र का व्यक्तित्व है, जो किसानों के लिए समर्पित है। वह नीचे से उठकर आए हैं। उनकी विडंबना यही है कि वह हमेशा विनम्र रहते हैं। हर किसी से नमस्ते करके मिलते हैं, और फिर उनसे इस प्रकार की बात करते हैं, जो उचित नहीं है। राहुल गांधी के हाथरस दौरे पर उन्होंने कहा, ष्कांग्रेस नेता को दिल्ली आना चाहिए, जहां सिख दंगे हुए थे।ष

विपक्ष के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही दो बार स्थगित

एजेंसी/नयी दिल्ली। लोकसभा में गुरुवार को विपक्ष के हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। शून्य काल में कांग्रेस की जोतिमणि सेन्निमलाई तमिलनाडु के किसानों की समस्याओं को उठा रही थीं और इसी दौरान उन्होंने उद्योगपति अडानी का नाम लिया। इस पर पीठासीन अधिकारी जगदम्बिका पाल ने अडानी का नाम कार्यवाही से निकाल देने की व्यवस्था दी।पाल के अडानी का नाम निकालने की व्यवस्था देने के बाद कांग्रेस के के सी वेणुगोपाल और अन्य सदस्य इसका विरोध करने लगे। वेणुगोपाल का कहना था कि बुधवार को वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल को शून्य काल में बोलने की अनुमति दी गयी और उन्होंने कांग्रेस पर कुछ आरोप लगाये थे, जिसे कार्यवाही में रहने दिया गया लेकिन आज जोतिमणि के अडानी का नाम लेने पर उसे कार्यवाही से हटाने के निर्देश दिये गये हैं। इसके बाद कांग्रेस सदस्य शोरशराबा करते हुये सदन के बीचोबीच आ गये। द्रमुक और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के सदस्य भी विरोध स्वरूप अपने–अपने स्थानों पर खड़े हो गये।इसी बीच, पाल ने भारतीय जनता पार्टी के सदस्य निशिकांत दुबे का

सोरोस और सोनिया के मुद्दे से ध्यान भटकाना चाहती है कांग्रेस : जेपी नड्डा

एजेंसी/नयी दिल्ली राज्यसभा में सदन के नेता और भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने गुरुवार को कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका के विवादास्पद निवेशक जॉर्ज सोरेस और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए तरह–तरह के हथकंडे अपना रही है।

राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित होने के बाद नड्डा ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं के साथ बातचीत में कहा कि सदन में लोकतंत्र की मर्यादा का सवाल उठाने वाली कांग्रेस ने समय–समय पर प्रजातांत्रिक प्रणालियों को ताक पर रखा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुंह से संसदीय प्रणालियों की चर्चा करना हास्यास्पद है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणालियों की बात करने वाली कांग्रेस के वरिष्ठतम नेता संसद भवन परिसर में राज्यसभा के सभापति की मिमिक्री की घटना की वीडियोग्राफी करते हैं और अन्य सदस्यों को इसके लिए उकसाते हैं। उन्होंने कहा, " मुझे तो ऐसा लगा जैसे मुझे कॉलेज के दिन याद आए। जब कॉलेज में यूनिवर्सिटी के बाहर कॉलेज के लड़के जैसे करते हैं उसी तरीके की हरकत संसद के परिसर में नेता विपक्ष करते हैं और श्रीमती सोनिया गांधी जी एक शब्द नहीं बोलती। उन्होंने कहा कि इससे संसदीय परंपराओं की मर्यादा गिरती है और संसदीय परंपराओं को चोट लगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य प्रियंका गांधी और जॉर्ज सोरस के संबंधों के मुद्दे से ध्यान भटकाना है। उन्होंने कहा कि सब यह जानना चाहते हैं कि प्रियंका गांधी का ऐसे व्यक्ति से क्या संबंध है जो व्यक्ति हमारे देश को अस्थिर करना चाहता है और मुसीबत में डालना चाहता है। वह व्यक्ति भारत की संप्रभुता पर प्रश्न खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इसकी कड़ी निंदा करता है और हम इस मुद्दे को जनता के बीच ले जाएंगे।संसद में उत्पन्न गतिरोध को दूर किए जाने से संबंधित सवाल पर उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस

इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज के वक्तव्य पर राज्यसभा में चर्चा की मांग

एजेंसी/नयी दिल्ली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज द्वारा दिए गए कथित विवादित बयान का मुद्दा गुरुवार को राज्यसभा में उठया गया। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज द्वारा दिए गए वक्तव्य पर नियम 267 के तहत चर्चा की मांग की। हालांकि सभापति ने इस विषय पर चर्चा की अनुमति नहीं दी। उन्होंने कहा कि नियम 267 के तहत इस पर चर्चा

नहीं हो सकती। सभापति ने कहा कि इस संदर्भ में नियम बहुत स्पष्ट है जो कि हम ही लोगों द्वारा बनाया गया है। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव ने बीते दिनों प्रयागराज में आयोजित विश्व हिंदू परिषद की लीगल सेल के एक कार्यक्रम में यह कथित विवादित बयान दिया था। कांग्रेस की रेणुका चौधरी इसी बयान पर विरोध दर्ज कराते हुए सदन में इसकी चर्चा करना चाहती थीं लेकिन उनको इसकी अनुमति नहीं मिली। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग कर रहे विपक्ष ने कई अन्य विषयों पर भी नियम 267 के तहत नोटिस दिए थे लेकिन उन सभी को अस्वीकृत कर दिया गया। इस पर विपक्ष ने अपनी आपत्ति जताई और सदन में हंगामा शुरू हो गया।विपक्ष द्वारा विरोध किए जाने पर नेता सदन व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि चेयर के निर्णय पर इस तरह से प्रश्न नहीं उठाए जा सकते। उन्होंने कहा यदि ऐसा किया जाता है तो यह आसन और सदन दोनों की अवमानना है। नड्डा ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक प्रेस वार्ता करके आसन की निंदा की। यह गलत परंपरा को रास्ता दिखाता है और उनके इस कदम की निंदा की जानी चाहिए। राज्यसभा के सभापति के खिलाफ विपक्ष ने अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया है। इस मुद्दे पर बुधवार को इंडिया ब्लॉक के अधिकांश घटक दल एक साथ दिल्ली में एक मंच पर आए थे। यहां राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आज सदन में नियम कम और राजनीति ज्यादा हो रही है। सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा था कि मैं किसी दल का नहीं हूं। लेकिन हमें अफसोस है कि आज सभापति के पक्षपाती रवैये के कारण हमें अविश्वास प्रस्ताव लाना पड़ा है। खड़गे ने कहा था कि सभापति प्रतिपक्ष के नेताओं को विरोधी के तौर पर देखते हैं। जेपी नड्डा ने गुरुवार को राज्यसभा में यह भी कहा कि इंडियन नेशनल कांग्रेस के ऑफिशियल हैंडल राज्यसभा चेयरमैन को चीयर लीडर कहा गया है। इसकी जितनी निंदा की जाए वह कम है। इसके साथ ही जेपी नड्डा ने एक बार फिर से सदन में कहा कि यह देश जानना चाहता है कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी का जॉर्ज सोरोस से क्या संबंध है। इसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सत्ता पक्ष ऐसे आरोप सदन को भटकाने के लिए लगा रहा है।

अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसान नेता डल्लेवाल की किडनी फेल होने का खतरा

एजेंसी/खनौरी ।हरियाणा–पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को 16 दिन बीत चुके हैं। लेकिन सरकार किसानों की मांगों के आगे झुकती नजर नहीं आ रही। इस बीच किसानों ने सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है।दरअसल देर रात किसान नेताओं ने खनौरी बॉर्डर से एक वीडियो संदेश जारी किया, जिसमें कहा कि उन्हें जानकारी मिली है कि केंद्र सरकार किसानों पर हमला कर डल्लेवाल को हिरासत में ले सकती है। इसलिए, डल्लेवाल की सुरक्षा बढ़ाई गई है। इसी के चलते किसान सरकार द्वारा भेजे जा रहे डॉक्टर्स से डल्लेवाल का इलाज करवाने से कतरा रहे हैं। वहीं डल्लेवाल की सेहत पर नजर रखने वाले निजी डॉक्टरों ने मेडिकल बुलेटिन जारी करते हुए बताया है कि उनका वजन 12 किलो से अधिक कम हो चुका है। उनकी किडनी कभी भी फेल हो सकती है और दिल का दौरा भी पड़ सकता है। इतना ही नहीं, डॉक्टरों के मुताबिक ज्यादा दिनों तक भूखा रहने के कारण उनके लीवर में भी दिक्कतें हो सकती हैं। बता दें कि इससे एक दिन पहले किसानों ने आरोप लगाया था कि मोदी सरकार उनके सोशल मीडिया अकाउंट पर पाबंदी लगा रही है क्योंकि इससे एक दिन पहले ही हमने लोगों से कहा था कि वे किसानों के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करें। ऐसे में किसानों के आरोपों ने एक बार फिर सरकार को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। अब देखना होगा कि 14 दिसंबर को किसान दिल्ली कूच कर पाते है या नहीं।

बहुमत की इच्छा से आखिर क्यों नहीं चलेगा देश? कोई समझाएगा जनमानस को!

कमलेश पांडे ।

जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण–पोषण का संकट उत्पन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित श्भीड़तंत्रश के द्वारा जगह–जगह चुनौती मिल रही है।

कहते हैं कि जो राजा या शासन पद्धति जनभावनाओं को नहीं समझ पाते हैं, रणनीतिक रूप से अकस्मात गोलबंद किए हुए उग्र लोगों के द्वारा नष्ट कर दिए जाते हैं। मुगलिया सल्तनत से लेकर ब्रिटिश साम्राज्य का हश्र हमारे–आपके सामने है। वहीं, एक बार नहीं बल्कि कई दफे हुआ पारिवारिक लोकतांत्रिक सत्ता का पतन भी आप सबके सामने है, जबकि इसको यथावत बनाए रखने के लिए कथित ध र्मनिरपेक्षता व जातिवाद की आड़ लेकर क्रमशः अल्पसंख्यक और आरक्षण जैसे पक्षपाती विचारों का भी पालन–पोषण किया गया तथा तुष्टीकरण की नीतियों तक को बेहिसाब बढ़ावा दिया गया। फिर भी हश्र सबके सामने है।वैश्विक और भारतीय परिस्थिति भी अब इस बात की चुगली कर रही है कि इन्हें शह देने वाले संविध ानों व उस पर आधारित कुछ अतिवादी कानूनों का भी देर–सबेर कुछ यही हश्र होने वाला है, आज नहीं तो निश्चय कल! साथ ही उस बनावटी लोकतंत्र का भी, जो पूंजीवादी देशों की रखैल बन चुकी है, क्योंकि वे इसका मनमाफिक दुरुपयोग कर रहे हैं। ऐसे में हमारी संसद और सर्वोच्च न्यायालय दोनों को दूरदर्शिता दिखानी होगी, और पाकिस्तान–बांग्लादेश समेत अन्य इस्लामिक देशों के बदलते प्रशासनिक घटनाक्रमों से सबक लेना होगा, अन्यथा भारत को भी आतंकवादी ताकतें उसी तरह से नष्ट कर देंगी, जैसे उदाहरण इस्लामिक देशों में भरे पड़े हैं। अलबत्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के शहिंदूवादी जजश जस्टिस शेखर कुमार यादव के शबहुमत से चलेगा देशश जैसे स्पष्टवादी बयान को भी उपर्युक्त नसीहतों की कसौटी पर ही कसा जाना चाहिए। अन्यथा संसद और सुप्रीम कोर्ट की श्मनमर्जीश (षडयंत्रकारी धर्मनिरपेक्षताध्पंथनिरपेक्षता के संदर्भ में) भारत को भी श्अशांत इस्लामिक मुल्कश बना देगी, जो हमारे कतिपय ध र्मनिरपेक्ष दलों का अघोषित सियासी एजेंडा है, जिससे समय रहते ही सावधान हो जाने की जरूरत है। यदि भारत के विद्वान न्यायाधीश, अधिवक्ता, प्रोफेसर, राजनेता, पत्रकार और बुद्धिजीवियों के समूह इस तथ्य को अब और नजरअंदाज करेंगे तो अशांत मुल्क के रूप में अगला नम्बर हमारे देश का ही होगा। जिसके ट्रेलर मोदी काल में जहां तहां विपक्ष के इशारे पर दिखाई भी दे रहे हैं।

देखा जाए तो विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के एक बौद्धिक व राष्ट्रवादी प्रोग्राम 'समान नागरिक संहितारू एक संवैधानिक अनिवार्यता' विषय पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के शहिंदूवादी जजश जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए शविवादित बयानश पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा संज्ञान लिया जाना उचित है, लेकिन इसकी सांगोपांग व्याख्या से पहले वह अपने पड़ोसी देशों के हश्र भी देख ले, जहां भारत को कमजोर करने वाले अमेरिकी और चीनी एजेंडे के अनुगामियों ने, उग्रपंथियों ने वहां की धर्मनिरपेक्ष सरकारों को अपदस्थ कर दिया और हिंदुओं पर नाना प्रकार के जुल्म कर रहे हैं। उनकी घटती आबादी इसका सबूत है।जबकि भारत की उदारवादी संसदीय नीतियों और उनकी सुप्रीम व्याख्या की अदूरदर्शिता से यहां की जनसंख्या बेतहाशा बढ़ी है, बेरोजगारी और भरण–पोषण का संकट उतपन्न हुआ है और कानून के उस शासन को भी अब कथित श्भीड़तंत्रश के द्वारा जगह–जगह चुनौती मिल रही है। इस सूरतेहाल पर हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट की किंकर्तव्यविमूढ़ता भी जनहित के नजरिए से सवालों के घेरे में है, क्योंकि शांतिपूर्ण तरीके से जीना अब इस देश में भी मुहाल होता जा रहा है, इस्लामिक देशों की तरह। ऐसा इसलिए कि दुनिया की दूसरे सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी भारत में रहती है और इन्हें शिक्षित करने और उग्रपंथी विचारों से अलग रखने में हमारा प्रशासन बुरी तरह से विफल प्रतीत हुआ है। कश्मीर, पश्चिम बंगाल, केरल के अलावा जहां भी मुस्लिमों की ज्यादा आबादी है, वहां पुलिस प्रशासन की चुनौतियों को भी समझा जा सकता है। यह बात आज देश के हर बुद्धिजीवी को अखड़ रही है कि आखिर वोट बैंक की ध र्मनिरपेक्ष राजनीति हमें किधर ले जा रही है और इसमें बदलाव के लिए क्या किया जा सकता है!

कहना न होगा कि हमारे निर्वाचित नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों व न्यायाधीशों की तरह ही स्पष्टवादी बुद्धिजीवियों के भी कुछ विशेषाधिकार हैं, जो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से संरक्षित हैं और जनमत निर्माण में यथोचित योगदान देते आए हैं, इसलिए जस्टिस यादव के विचारों को भी हमें इसी कसौटी पर कसने की जरूरत है। क्योंकि उन्होंने अपने सम्बोधन के क्रम में ही यह साफ कर दिया था कि ये बातें वे जज की हैसियत से नहीं, बल्कि एक आम प्रबुद्ध भारतीय की हैसियत से कह रहे हैं और इस पर अडिग रहने की जरूरत है।वर्तमान में शेखर कुमार यादव इलाहाबाद हाईकोर्ट में न्यायाधीश हैं। इलाहाबाद यूनिवर्सिटी से 1988 में लॉ ग्रेजुएट शेखर कुमार यादव ने 1990 में वकील के रूप में अपना रजिस्ट्रेशन कराया था। उन्हें 12 दिसंबर, 2019 को इलाहाबाद हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। 26 मार्च, 2021 को उन्होंने स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ली थी। अपनी पदोन्नति से पहले उत्तर प्रदेश राज्य के स्थायी वकील रहे। भारत संघ के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील रहे। यूपी की अदालतों में रेलवे के लिए स्थायी वकील का पद संभाला था। जस्टिस शेखर यादव 2026 में रिटायर होंगे। गत 1 सितंबर, 2021 को जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा था कि वैज्ञानिकों का मानना है कि गाय ही एकमात्र जानवर है, जो ऑक्सीजन छोड़ती है। सबसे पहले हम आपको यह बता रहे हैं कि जस्टिस यादव ने कब और क्या कहा था, जिसको लेकर अब नैतिक और कानूनी सवाल उठाए जा रहे हैं? दरअसल, जस्टिस शेखर कुमार यादव ने कहा कि ष्मुझे यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि यह हिंदुस्तान है, यह देश हिंदुस्तान में रहने वाले शबहुसंख्यकश की इच्छा के मुताबिक काम करेगा। यह कानून है... आप यह नहीं कह सकते कि आप हाईकोर्ट के जज होने के नाते ऐसा कह रहे हैं। कानून बहुमत के हिसाब से काम करता है, परिवार या समाज के कामकाज को देखें, यह बहुमत ही तय करता है। परिवार या समाज में जो बात ज्यादा लोगों को मंजूर होती है, वही स्वीकार की जाती है। केवल वही स्वीकार किया जाएगा, जो बहुसंख्यकों के कल्याण और खुशी के लिए फायदेमंद हो।ष

अपने संबोधन में उन्होंने शाहबानो केस का जिक्र करते हुए कहा कि भारत अपने बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार चलेगा। उन्होंने बातों ही बातों में यहां यहां तक कहा कि, ष्कठमुल्ला शब्द गलत है लेकिन यह कहने में परहेज नहीं है क्योंकि वो देश के लिए बुरा है। वो जनता को भड़काने वाले लोग हैं। देश आगे न बढ़े, इस प्रकार की सोचने के लोग हैं। उनसे सावधान रहने की जरूरत है।ष वहीं, मुस्लिम समुदाय का नाम लिए बिना उन्होंने कहा, ष्हमारे यहां बच्चा जन्म लेता है तो उसे ईश्वर की तरफ ले जाते हैं। वेद मंत्र बताते हैं, उनके यहां बच्चों के सामने बेजुबानों का बेरहमी से वध किया जाता है। फिर कैसे अपेक्षा की जाती है कि वो उदार होगा।ष कहने का तात्पर्य यह कि हिंदुओं के बच्चों को हमेशा दयालु और अहिंसक होने की शिक्षा दी जाती है, लेकिन मुस्लिम समुदाय में ऐसा नहीं है।जस्टिस शेखर कुमार यादव ने यूनिफॉर्म सिविल कोड पर कहा कि ष्यह देश भारत है, यहां रहने वाले भारतीय हैं। देश एक है और एक संविधान है तो कानून क्यों नहीं है? देश के महापुरुषों का अनादर करने का अधिकार नहीं है। इस देश में हलाला, तीन तलाक नहीं चलने वाला है। आप चार पत्नियां रखने, हलाला करने या तीन तलाक करने का अधिकार नहीं मांग सकते। अगर आप कहते हैं कि हमारा पर्सनल लॉ इसकी अनुमति देता है, तो इसे स्वीकार नहीं किया जाएगा। अगर आप कहते हैं कि हमें तीन तलाक देने और महिलाओं को भरण–पोषण न देने का अधिकार है, लेकिन यह अधिकार काम नहीं करेगा। आप उस महिला का अपमान नहीं कर सकते जिसे हिंदू शास्त्रों और वेदों में देवी माना जाता है। समान नागरिक संहिता जल्द ही वास्तविकता बन जाएगी।ष्न्यायाधीश यादव आगे कहा कि ष्समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से समाज में सौहार्द बढ़ेगा। इसका उद्देश्य ध र्मों और समुदायों पर आधारित असमान कानूनी प्रणालियों को समाप्त कर सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। यूसीसी ऐसी चीज नहीं है जिसका सिर्फ वीएचपी, आरएसएस या हिंदू धर्म ही समर्थन करता हो, बल्कि देश की टॉप अदालत भी इसके बारे में बात करती है।

सवाल है कि जब जस्टिस शेखर यादव ने यह स्पष्ट कर दिया था कि ष्मैं यह बात हाईकोर्ट के जज के तौर पर नहीं बोल रहा हूँ।ष तो फिर उनकी बात पर सियासी व कानूनी बवंडर खड़ा करने के पीछे के निहित उद्देश्य को समझा जा सकता है। इससे धर्मनिरपेक्षता मजबूत नहीं, बल्कि कमजोर होगी। बता दें कि जस्टिस शेखर कुमार यादव ने प्रयागराज में विश्व हिंदू परिषद के एक कार्यक्रम में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर बोलते हुए जब यह विवादित बयान दिया था, तो इस मौके पर हाईकोर्ट के एक अन्य न्यायाध ीश जस्टिस दिनेश पाठक भी मौजूद थे। वहीं, खबर है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के द्वारा दिए गए विवादित बयान पर अब सुप्रीम कोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने कहा, ष्मामला विचाराधीन है। हाईकोर्ट से विस्तृत जानकारी मांगी गई है।ष

अब इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस शेखर कुमार यादव की ओर से दी गई स्पीच की न्यूज पेपर्स में छपी रिपोर्ट पर ध यान देकर हाईकोर्ट से डिटेल में इसका ब्योरा मांगा है।वहीं, इससे पहले कैंपेन फॉर ज्यूडीशियल अकाउंटैबिलिटी एंड रिफॉर्म्स (ब्श्र।त्) ने भी चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को चिट्ठी लिखकर इसकी शिकायत की है। इस चिट्ठी में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस शेखर कुमार यादव के बयान की इन–हाउस जांच कराने की मांग की गई है। चिट्ठी में मांग की गई है कि जांच होने तक जस्टिस को सभी न्यायिक कार्यों से दूर रखा जाए। इस प्रकार जहां एक ओर एनजीओ कैंपेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स, जिसके संरक्षक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पी बी सावंत हैं, ने जज के खिलाफ चीफ जस्टिस खन्ना के सामने शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत में जज के खिलाफ जांच और उनके न्यायिक कार्य को निलंबित करने की मांग की गई।

सम्पादकीय

कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं राहुल

इस साल की शुरुआत में विपक्षी गठबंधन श्इंडिया' की एक बैठक में जब अध्यक्ष पद के लिए बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का नाम आगे आया तो उनको राहुल गांधी ने यह कह कर रोका था कि इसके लिए तो ममता बनर्जी से बात करनी होगी। विडम्बना देखिए कि थोड़े समय के बाद नीतीश कुमार और ममता बनर्जी दोनों श्इंडिया' ब्लॉक से बाहर हो गए और अब ममता बनर्जी ही अध्यक्ष पद की दावेदार हो गई हैं! समय का चक्र इतनी तेजी से घूमा है कि कांग्रेस के नेता समझ नहीं पा रहे हैं कि वे इस स्थिति का सामना कैसे करें। महज छह महीने पहले चार जून को जब लोकसभा के नतीजे आए तो कांग्रेस और राहुल गांधी की जय जयकार हो रही थी। परंतु उसके बाद चार राज्यों के विधानसभा चुनाव ने सारी तस्वीर बदल दी। जम्मू कश्मीर, हरियाणा और महाराष्ट्र की हार ने कांग्रेस को बैकफुट पर ला दिया। भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी के विपक्ष का सर्वमान्य नेता होने की जो धारणा बनी थी वह सवालों के घेरे में आ गई है। एक के बाद एक विपक्षी पार्टियां राहुल के नेतृत्व पर सवाल उठा रही हैं।

इसमें सबसे दिलचस्प टिप्पणी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव की थी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विपक्षी गठबंधन श्इंडिया' के नेता नहीं हैं। श्इंडिया' के नेता मल्लिकार्जुन खडगे हैं। पर सवाल है कि खडगे कब नेता चुने गए? इस साल लोकसभा चुनाव से पहले 13 जनवरी को विपक्षी गठबंधन श्इंडिया' की जो आखिरी बैठक हुई थी वह वर्चुअल थी और उसमें खडगे को अध्यक्ष बनाने पर सहमति बनी थी। लेकिन उसके बाद कभी इस बात की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई कि खडगे विपक्षी गठबंधन के अध्यक्ष हैं। 13 जनवरी की बैठक में सिर्फ नौ पार्टियों के नेता शामिल हुए थे। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव को खुद खडगे ने न्योता दिया था लेकिन वे उस बैठक में शामिल नहीं हुए थे। सो, जाहिर है कि खडगे अनौपचारिक रूप से भले श्इंडिया' ब्लॉक का नेतृत्व करते हों लेकिन उनको नेता कभी नहीं घोषित किया गया।

फिर सवाल है कि रामगोपाल यादव ने क्यों कहा कि राहुल नेता नहीं हैं और खडगे नेता हैं? इसलिए कहा क्योंकि चाहे समाजवादी पार्टी हो या तृणमूल कांग्रेस हो, उनको राहुल गांधी से समस्या है। यह समस्या रामगोपाल यादव की आगे कही बातों से जाहिर हो गई। उन्होंने कहा कि चाहे लोकसभा का चुनाव हो या विधानसभा का, कांग्रेस कहीं भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही है। उन्होंने भाजपा के साथ आमने सामने के मुकाबले में कांग्रेस की कमजोरी का खासतौर से जिक्र किया। यह भी याद रखने की बात है कि पिछले साल दिसंबर में ममता बनर्जी ने मल्लिकार्जुन खडगे का नाम प्रधानमंत्री पद के लिए प्रस्तावित किया था। तभी यह अनायास नहीं है कि आज खडगे को रामगोपाल यादव श्इंडिया' ब्लॉक का नेता बता रहे हैं।

बहरहाल, राहुल गांधी के नेतृत्व पर जो सवाल उठ रहे हैं उसके दो पहलू हैं। एक पहलू यह है कि वे कांग्रेस में जोश नहीं भर पा रहे हैं। कांग्रेस को पुनर्जीवित नहीं कर पा रहे हैं। कांग्रेस को रिइन्वेंट करके भाजपा से लडने लायक नहीं बना पा रहे हैं। वे वैचारिक और सैद्धांतिक धरातल पर तो भाजपा को टक्कर दे रहे हैं लेकिन जमीनी राजनीति और चुनाव में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। सो, विपक्षी पार्टियां और कांग्रेस नेताओं का भी एक बड़ा हिस्सा मान रहा है कि राहुल गांध ी से नहीं हो पाएगा। अपनी तमाम अच्छाइयों के बावजूद वे न तो कांग्रेस को भाजपा से लडने लायक बना सकते हैं और न उनकी कमान में विपक्षी गठबंधन भाजपा को प्रभावी रूप से टक्कर दे पाएगा। तभी विपक्षी पार्टियां चाहती हैं कि श्इंडिया' ब्लॉक बना रहे लेकिन उसकी कमान किसी और नेता के हाथ में रहे। यह बात श्इंडिया' ब्लॉक में शामिल रामगोपाल यादव भी चाहते हैं और उससे बाहर रह कर राजनीति कर रही ममता बनर्जी भी चाहती हैं। इन सभी नेताओं को पता है कि भाजपा से लडने के लिए एक बड़े गठबंधन की जरुरत है, जिसमें कांग्रेस का होना भी जरूरी है। परंतु साथ ही ये नेता यह भी चाहते हैं कि कोई ज्यादा परिपक्व और चुनावी राजनीति में भाजपा को परास्त करने वाला नेता इस गठबंधन का नेतृत्व करे।

इस सचाई को समझना होगा कि सारी विपक्षी पार्टियां सत्ता चाहती हैं और केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई से मुक्ति चाहती हैं। वह तभी होगा, जब केंद्र में उनकी सरकार बनेगी। उनको लग रहा है कि राहुल गांधी के हाथ में कांग्रेस और विपक्षी गठबंधन की कमान रही तो ऐसा नहीं हो पाएगा। राहुल के नेतृत्व पर उठ रहे सवालों का दूसरा पहलू यह है कि कई विपक्षी पार्टियां राहुल गांध ी के साथ काम करने में असहज हैं। उनको लग रहा है कि राहुल व्यावहारिक राजनीति करने में सक्षम नहीं हैं। वे आदर्शवादी बातें ज्यादा करते हैं और व्यावहारिक राजनीति के दांवपेंच उन्होंने अभी तक नहीं सीखे हैं। विपक्षी पार्टियों और कांग्रेस के भी अनेक नेताओं व प्रादेशिक क्षत्रपों को राहुल गांधी की टीम के साथ काम करने में मुश्किल आती है। उनकी टीम के ज्यादातर सदस्य अराजनीतिक पृष्ठभूमि वाले हैं। राहुल गांधी ने कांग्रेस संगठन का महासचिव केसी वेणुगोपाल को बनाया है, जिनको देश के ज्यादातर राज्यों की जमीनी राजनीति की समझ नहीं है। हरियाणा और महाराष्ट्र में कांग्रेस की हार के मुख्य कारणों में एक कारण केसी वेणुगोपाल भी हैं। हालांकि इस कारण की समीक्षा कभी नहीं होगी। वे खुद को इतना असुरक्षित महसूस करते हैं कि राहुल के आसपास किसी को फटकने नहीं देते। हर समय राहुल को घेरे रहते हैं। उनकी सहमति के बगैर राहुल से मिलना या बात करना नामुमकिन सा हो गया है।

इंडिया गठबंधन की रार से कांग्रेस से ज्यादा क्षेत्रीय दलों को होगा नुकसान

कमलेश पांडे ।

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद तुरंत कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए।

कांग्रेस के नेतृत्व वाले श्इंडिया गठबंध नश में नेतृत्व के सवाल पर जो मौजूदा चिल्ल–पों मची हुई है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के नेतृत्व पर एक बार फिर से जो सवाल उठाए जा रहे हैं, उससे न तो तृणमूल कांग्रेस नेत्री व पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का राजनीतिक भला होने वाला है और न ही उनकी सुर में सुर मिलाने वाले एनसीपी शरद पवार के शरद पवार–सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के उद्धव ठाकरे–आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के अखिलेश यादव–रामगोपाल यादव या आप पार्टी के अरविंद केजरीवाल आदि जैसे नेताओं का। हां, इससे कांग्रेस आई की उस सियासी साख को धक्का अवश्य लगेगा, जो कि बमुश्किल उसने राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 के बाद हासिल कर पाई है। राजनीतिक मामलों के जानकारों का स्पष्ट कहना है कि कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी के लिए हरियाणा और महाराष्ट्र विधानसभा की हार जरूर मायने रखती है, क्योंकि यह जीती हुई बाजी हारने के जैसा है। लेकिन सिर्फ इसको लेकर ही इंडिया गठबंधन का नेतृत्व कांग्रेस से छीन लेना कोई राजनीतिक बुद्धिमानी का काम प्रतीत नहीं होता है। शायद कांग्रेस भी इसे नहीं मानेगी और किसी भी राष्ट्रीय दल को क्षेत्रीय दलों के सामने घुटने भी नहीं टेकने चाहिए, यदि सत्ता प्राप्ति के लिए संख्या बल का खेल नहीं हो तो! बीजेपी भी यही करती है और अपने गठबंधन सहयोगियों को उनकी वाजिब औकात में रखती है। तीसरे–चौथे मोर्चे की विफलता के पीछे भी तो अनुशासनहीनता या अतिशय महत्वाकांक्षा का खेल ही तो था, जिसे बह्धा राजनीतिक रोग समझा जाता है।बता दें कि तृणमूल कांग्रेस नेता कल्याण बनर्जी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का परिणाम आने के बाद तुरंत कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। इसके बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी हालिया हरियाणा और महाराष्ट्र चुनाव में इंडिया ब्लॉक के खराब प्रदर्शन पर असंतोष जाहिर किया और संकेत दिया कि अगर मौका मिला तो वह इंडिया ब्लॉक की कमान संभालने के लिए तैयार हैं।तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ने यहां तक कहा कि वह बंगाल की मुख्यमंत्री के रूप में अपनी भूमिका जारी रखते हुए भी विपक्षी मोर्चे को चलाने की दोहरी जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। एक टीवी चौनल से बात करते हुए ममता बनर्जी ने कहा, ष्मैंने इंडिया ब्लॉक का गठन किया था, अब मोर्चा का नेतृत्व करने वालों पर इसका प्रबंधन करने की जिम्मेदारी है। अगर वे इसे नहीं चला सकते, तो मैं क्या कर सकती हूं? मैं सिर्फ इतना कहूंगी कि सभी को साथ लेकर चलना होगा।ष वहीं, यह पूछे जाने पर कि एक मजबूत भाजपा विरोधी ताकत के रूप में अपनी साख के बावजूद वह इंडिया ब्लॉक की कमान क्यों नहीं संभाल रही हैं? तो इस पर बनर्जी ने कहा, ष्अगर मौका मिला तो मैं इसके सुचारू संचालन को सुनिश्चित करूंगी।ष उन्होंने कहा, ष्मैं बंगाल से बाहर नहीं जाना चाहती, लेकिन मैं इसे यहीं से चला सकती हूं।ष बता दें कि बीजेपी का मुकाबला करने के लिए गठित इंडिया (छक्प्।) ब्लॉक में दो दर्जन से अधिक विपक्षी दल शामिल हैं। हालांकि, आंतरिक मतभेदों और आपसी तालमेल की कमी की वजह से इसकी कई बार आलोचना भी होती रही है। इसी वजह से इसके प्रमुख सूत्रधार रहे जदयू नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपना पाला बदल लिया और भाजपा के खेमे में चले गए। वो भी इंडिया गठबंधन के संयोजक का पद पाना चाहते थे, जो लालू प्रसाद के परोक्ष विरोध के चलते सम्भव नहीं हो पाया। ऐसे में संभव है कि ममता भी एकबार फिर से तीसरे मोर्चे को मजबूत करने की पहल करें और नीतीश की तरह ही इंडिया गठबंधन को टा–टा, बाय–बाय कर दें।उल्लेखनीय है कि ममता बनर्जी का यह बयान उनकी पार्टी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा कांग्रेस और अन्य इंडिया ब्लॉक सहयोगियों को लेकर दिए बयान के बाद सामने आया है। तब कल्याण बनर्जी ने कहा था कि कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक को अपने अहंकार को अलग रखना चाहिए और ममता बनर्जी को विपक्षी गठबंधन के नेता के रूप में मान्यता देनी चाहिए। आपको बता दें कि बीजेपी ने जहां महाराष्ट्र में शानदार प्रदर्शन करते हुए रिकॉर्ड संख्या में सीटें हासिल कीं तो वहीं कांग्रेस का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। बीजेपी के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को भारी जीत मिली, जबकि इंडिया ब्लॉक ने सिर्फ झारखंड में जेएमएम के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मजबूत वापसी की। कहने का तातपर्य यह है कि कांग्रेस ने अपनी हार का सिलसिला जारी रखा और हरियाणा के बाद महाराष्ट्र में भी अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया और झारखंड में सत्तारूढ़ जेएमएम के जूनियर पार्टनर के रूप में सामने आई और विपक्षी ब्लॉक में इसकी भूमिका और भी कम हो गई क्योंकि अन्य सहयोगियों ने इससे बेहतर प्रदर्शन किया।वहीं, दूसरी ओर हाल ही में हुए उपचुनावों में भाजपा को हराकर टीएमसी की जीत ने पश्चिम बंगाल में पार्टी के प्रमुख को मजबूत किया है जबकि विपक्षी अभियान आरजी कर मेडिकल कॉलेज विरोध जैसे विवादों पर केंद्रित थे। सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे, उसके सहयोगी सीपीआई (एमएल) लिबरेशन और कांग्रेस, जो इंडिया ब्लॉक में राष्ट्रीय स्तर पर टीएमसी के सहयोगी हैं, सभी को बड़ी असफलताओं का सामना करना पड़ा और उनके उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। जबकि कांग्रेस इंडिया ब्लॉक की सबसे बड़ी पार्टी है जिसे अक्सर गठबंधन का वास्तविक नेता माना जाता है। यही वजह है कि टीएमसी ने लगातार ममता बनर्जी को गठबंधन की बागडोर संभालने की वकालत की है।यह ठीक है कि तृणमूल कांग्रेस नेत्री ममता बनर्जी पश्चिम बंगाल में लगातार भाजपा को सियासी चोट पहुंचा रही हैं और सदैव उस पर भारी प्रतीत हो रही हैं, लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि वह राष्ट्रीय नेत्री बन गईं और उनका चेहरा लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के चेहरे से ज्यादा सर्वस्वीकार्य हो गया, वो भी अखिल भारतीय स्तर पर? चाहे राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) शरद पवार के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री शरद पवार हों या उनकी सियासी वारिस सांसद सुप्रिया सुले, शिवसेना यूबीटी के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे हों या उनके राजनीतिक वारिस आदित्य ठाकरे, समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तरप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव हों या राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव या आप पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल हों या उन जैसे इंडिया गठबंधन के कोई अन्य नेतागण, किसी का चेहरा राष्ट्रीय स्तर पर उतना सर्वस्वीकार्य नहीं हो सकता है

भाजपा ने खड़ा किया सोरोस का जिन्न

भारत की राजनीति में आरोपों के जिन्न खड़े किये जाते रहे हैं। इन दिनों अमेरिकी व्यवसायी जार्ज सोरोस को कांग्रेस पर हमले का आधार बनाया गया है। जार्ज सोरोज अमेरिका के व्यवसायी है जिन पर सरकारों को अस्थिर करने के आरोप लगते रहे हैं। सोरोस पर भारतीय अर्थ व्यवस्था को कमजोर करने और नरेन्द्र मोदी की सरकार को अस्थिर करने के आरोप इन दिनों चर्चा में हैं और इसके लिये कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी को कठघरे में खड़ा किया जा रहा है। जार्ज सोरोस पर कई देशों में आरोप लगे हैं। उन्हें बैंक आफ इंग्लैण्ड को दीवालिया करने में भूमिका निभाने का आरोप भी झेलना पड़ा है। यह भी कहा जाता है कि जार्ज सोरोस ने थाइलैण्ड की करेंसी को कमजोर करने का काम किया है। अब कहा जाता है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी का संबंध जार्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित एक संगठन से है। इस संगठन ने नरेन्द्र मोदी की सरकार को बदनाम करने के लिए पैसा खर्च किया है। भाजपा ने दावा किया है कि फोरम आफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल–एपी) फाउंडेशन की सह अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी जार्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्त पोषित संगठन से जुड़ी हैं। कांग्रेस की तरफ से इन आरोपों को निराधार बताया जा रहा है लेकिन राजनीतिक गलियारे में इस मामले ने हलचल जरूर मचा दी है।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि अमेरिका के डीप स्टेट के साथ मिलकर गांधी परिवार भारत के खिलाफ साजिश रचने में शामिल हैं। संसद में भी भाजपा ने इस मामले को उठाया और कहा कि कांग्रेस नेता सोनिया गांधी का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउनडेशन से है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करना चाहते हैं। जॉर्ज सोरोस के मुद्दे पर संसद ठप हो गई। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी और अमेरिकी हंगेरियन बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस के बीच कथित साठगांठ के मसले पर बीजेपी और कांग्रेस दोनों एक दूसरे पर हमलावर हैं। इस बीच राहुल गांधी ने सांसदों की एक बैठक में कहा कि सोरोस का मामला दरअसल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए उठाया गया है। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी इस मामले को ध्यान भटकाने के लिए इस्तेमाल कर रही है।राहुल गांध ी ने कहा, संविधान दिवस पर चर्चा में सरकार की दलित ओबीसी और गरीब विरोधी मानसिकता का पर्दाफाश करना होगा। पीएम के पास हमारे सवालों का कोई जवाब नहीं है, हमको अपने मुद्दों के लिए बीजेपी से लड़ना होगा। इसी प्रकार सोनिया गांधी और बिजनेसमैन जॉर्ज सोरोस के बीच कथित संबंधों को लेकर बीजेपी ने जहां हमले तेज किए हुए हैं। वहीं कांग्रेस भी अब बीजेपी को घेरती नजर आ रही है। खासतौर से अब जब जॉर्ज सोरोस से जुड़े और उसके वित्त पोषित संगठन का इस्तेमाल भारत को अस्थिर करने के लिए किए जाने वाले आरोपों को अमेरिका ने 9 दिसम्बर को स्पष्ट तौर पर खारिज कर दिया है।

जॉर्ज सोरोस एक अमेरिकी व्यवसायी हैं जिनका जन्म हंगरी के बुडापेस्ट में 1930 में हुआ था। सोरोस की गिनती दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों में होती है। उनका जन्म एक यहूदी परिवार में हुआ था, जो काफी समृद्ध था। सोरोस का परिवार हंगरी में नाजी कब्जे से निकलकर 1947 में ब्रिटेन आ गया। यहां उन्होंने लंदन स्कूल ऑफ इकॉनोमिक्स से पढ़ाई की। जानकारों का कहना है कि सोरोज ने अपनी पढ़ाई के लिए रेलवे पोर्टर और वेटर के तौर पर भी काम किया। इसके बाद 1956 में वो अमेरिका चले गए जहां उन्होंने वहां यूरोपिय प्रतिभूतियों के साथ एनालिस्ट के रूप में काम किया। सोरोस पर अपने धन बल का इस्तेमाल कर सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगता रहा है। आरोप है कि सोरोस ने 1997 में थाईलैंड की करेंसी (बाहट) पर सट्टा लगाकर उसे कमजोर करने का काम किया है। जॉर्ज सोरोस को बैंक ऑफ इंग्लैंड को बर्बाद करने वाले व्यक्ति के रूप में जाना जाता है। कहा जाता है कि उन्होंने हेज फंड मैनेजर के रूप में ब्रिटिश करेंसी पाउंड को शॉर्ट कर अरबों का लाभ कमाया था। सोरोस पर भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के भी आरोप लगे हैं।

अब भाजपा के झारखंड से सांसद निशिकांत दुबे ने आरोप लगाया है कि गांधी परिवार के जॉर्ज सोरोस से संबंध हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सोरोस से मिलकर अदाणी मुद्दे को उठाकर देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी करना चाहते हैं। ये भी आरोप है कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी का संबंध जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित एक संगठन से है, जिसने कश्मीर के एक स्वतंत्र राष्ट्र के विचार का समर्थन किया है। भाजपा ने दावा किया कि फोरम ऑफ डेमोक्रेटिक लीडर्स इन एशिया पैसिफिक (एफडीएल–एपी) फाउंडेशन की सह–अध्यक्ष के रूप में सोनिया गांधी जॉर्ज सोरोस फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित संगठन से जुड़ी हुई हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी व बाल मेला पर बच्चों ने मनवाया प्रतिभा का लोहा

अयोध्या(एजेंसी)। गायत्री पब्लिक स्कूल रेवतीगंज में स्वर्गीय राम कलप शुक्ल की 24वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सम्मान समारोह, विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेला आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ सपा नेता राघवेंद्र प्रताप सिंह 'अनूप' रहे। मुख्य अतिथि ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से बच्चों में स्वावलंबिता, आत्म विश्वास, रचनात्मक एवं सृजनात्मक सोच का विकास होता है। प्रबंधक उमाशंकर शुक्ल, गायत्री देवी और प्रधानाचार्या शिखा दूबे सहित सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में मुख्य अतिथि ने मां सरस्वती और स्वर्गीय शुक्ला की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित और पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रमों की शुरुआत की । इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा क्षेत्र के सैकड़ो गणमान्य लोगों को अंग वस्त्र भेंट कर सम्मानित करने के साथ फीता काटकर विज्ञान प्रदर्शनी और बाल मेले का शुभारंभ किया गया। उत्साहित एवं प्रतिभाशाली बच्चों के मॉडल और स्वनिर्मित व्यंजनों के स्टॉल का अवलोकन करने के पश्चात न सिर्फ मुख्य अतिथि अपितु विद्यालय प्रांगण में मौजूद सैकड़ों अभिभावकों एवं गणमान्यों ने मुक्त कंठ से बच्चों के प्रयास और प्रदर्शन की सराहना की। रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वॉटर ट्रीटमेंट प्योरीफिकेशन, थर्मो इलेक्ट्रिक इफेक्ट, ई वी एम मशीन, न्यूक्लियर पावर प्लांट, ह्यूमन एनाटॉमी, वर्किंग मॉडल , ब्रह्मोस मिसाइल आदि मॉडलों के साथ उपस्थिति लोगों ने स्वनिर्मित मोमोज, फुल्की, चूरमुरे, इमरती, ब्रेड पकौड़ा, बेज रोल, गुझिया, खुरमा , पेस्टी आदि व्यंजनों का जमकर लुत्फ उठाया। उप प्रबंधक रमा शंकर शुक्ल ने उपस्थिति लोगों का स्वागत और आभार प्रकट किया। इस अवसर पर सपा नेता बख्तियार खान, प्रभा शंकर शुक्ल,अतुल पांडेय, अशोक तिवारी, संजीव तिवारी, गजराज यादव, पवन तिवारी,राजेंद्र यादव, राम प्रकाश यादव, राम अवतार प्रजापति, विकास सिंह, राधेश्याम तिवारी,बृजनंदन तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।?

सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का आमजन को मिले लाभ : डा. प्रियंका मौर्या

–आमजन के बीच बैठकर राज्य महिला आयोग सदस्य ने की जनसुनवाई

अयोध्या(एजेंसी)। उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य डा. प्रियंका मौर्या की उपस्थिति में सर्किट हाउस में जनसुनवाई की गयी। जनसुनवाई प्रारम्भ करने के पूर्व राज्य महिला आयोग की सदस्य द्वारा जनसुनवाई पीड़ित पक्ष के साथ बराबर में बैठकर किये जाने के लिए कहा। इसके उपरांत सर्किट हाउस सभाकक्ष में सदस्य सहित अन्य अधिकारियों की कुर्सियां आमजन के बीच लगवायी गयी। जनसुनवाई के दौरान 40 से अधिक प्रकरण प्राप्त हुये, जिसमें सभी प्रकरणों के समाधान के लिए डा. प्रियंका मौर्या द्वारा मौके पर सम्बंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। सदस्य द्वारा पीड़िता विजयलक्ष्मी के प्रकरण में विधवा पेंशन व बाल सेवा योजना के लिए सम्बंधित अधिकारी को निर्देशित किया गया, फूलराजी के प्रकरण में उनके द्वारा तत्काल बीकापुर एस0एच0ओ0 से तत्काल वार्ता कर शीघ्र निस्तारण के लिए निर्देश दिये गये। पीड़िता माधुरी के शौचालय प्रकरण को गम्भीरता से लेते हुये सदस्य द्वारा थानाध्यक्ष को निर्देश दिये गये कि प्रकरण को तत्काल संज्ञान में ले और मौके पर स्वयं जाकर इसका निस्तारण करायें। विवाह सम्बंधी एक प्रकरण में सदस्य द्वारा उसके पति को 15 दिन के अन्दर बुलाकर वार्ता कर निस्तारित किया जाय और एक परिवार को बसाया जा सकें। इसी प्रकार अनेक जमीन से सम्बंधित प्रकरण आने पर उन्होंने तत्काल उपजिलाधिकारी को मौके पर बुलाया और सम्बंधित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण हेतु निर्देशित किया। जनसुनवाई के दौरान घरेलू हिंसा, मार–पीट, पुलिस द्वारा दुर्व्यवहार, पुलिस विभाग से सम्बंधित, कब्जे से सम्बंधित व दहेज उत्पीड़न से सम्बंधित प्राप्त हुये, जिनको सदस्य ने प्रत्येक आवेदन को बहुत ही गम्भीरता के साथ सुना गया। कई प्रकरणों में महिलाएं काफी भावुक हो गयी जिस पर सदस्य द्वारा उनको ढांढस बंधाया गया तथा कहा वे उनके साथ है और उन्हें न्याय अवश्य मिलेगा। साथ ही सरकार द्वारा चलायी जा रही योजनाओं का भी लाभ उन्हें दिलाया जायेगा। प्रेसवार्ता के दौरान राज्य महिला आयोग की सदस्य ने कहा कि जनसुनवाई के दौरान जो भी पीड़ित महिलाएं आयी है उनकी समस्याओं का तुरन्त निस्तारण करने का प्रयास किया जा रहा है। सम्बंधित विभाग के अधिकारियों से तत्काल वार्ता कर प्रकरण को निस्तारित करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके साथ ही बहुत सारे मामलों को आपसी वार्ता से भी निस्तारित कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके साथ ही पीड़ित महिलाओं व उनके बच्चों के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने के लिए सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया है, जिससे पीड़ित पक्ष व उनके आश्रितों को किसी प्रकार की असुविधा न हों। सदस्य द्वारा सम्बंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण हेतु भी आदेश दिये गये है। उनके द्वारा कहा गया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं की सुनवाई जनपद स्तर व मुख्यालय स्तर पर गम्भीरता के साथ की जाती है। यदि पीड़ित को लग रहा है कि कार्यवाही धीरे चल रही है तो उसके लिए राज्य महिला आयोग उन पीड़ित महिलाओं के साथ है और राज्य महिला आयोग उनके लिए त्वरित कार्यवाही के लिए कार्य कर रहा है। जनसुनवाई के आयोजन का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सहायता करते हुये उनको न्याय दिलाना व उत्पीड़न से बचाना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्पीड़न से सम्बंधित प्रकरणों के सुनवाई एवं निस्तारण हेतु उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग के सदस्यों द्वारा प्रत्येक जनपद में जनसुनवाई का आयोजन किया जाता है, जिसमें महिला स्वयं उपस्थित होकर अपनी शिकायतें बता सकती है। इसके उपरांत सदस्य द्वारा अभी अन्य निरीक्षण किये जा रहे है। जनसुनवाई के दौरान उपजिलाधिकारी राजकुमार पांडेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी अश्विनी कुमार, पुलिस उपाधीक्षक योगेन्द्र कुमार, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी सहित संबंधित विभाग के अधिकारी कर्मचारी, शिकायतकर्ता व उनके परिजन उपस्थित रहे।

छात्र नेताओं की पुण्यतिथि पर किया कबंल वितरण

अयोध्या(एजेंसी)। सियाराम चौरिटेबल टस्ट द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्र नेता विनोद त्रिपाठी तथा गौरव सिंह की 17 पुण्य तिथि पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रम के दूसरे दिन सहादतगंज हनुमानगढ़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंदिर में निवास करने वाले साधू–संतों, कर्मचारियों व दिव्यांगों को कबंल वितरण किया गया।संस्था के अध्यक्ष रामानुज सिंह रामा ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय के महामंत्री रहे विनोद त्रिपाठी तथा छात्र नेता गौरव की पुण्य तिथि पर विगत 17 सालों से संस्था के द्वारा समाज कल्याण के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते है। मंगलवार को संस्था के प्रधान कार्यालय रामपथ सहादतगंज में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया था। बुधवार को कंबल वितरण का आयोजन किया गया है। मौके पर सहादतगंज हनुमान गढ़ी के महंत त्रिलोकी दास जी महराज, छात्र नेता हेमंत सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी रामानुज सिंह रामा, वरूण कुमार, अजीत सिंह, विवेक मिश्र, शामिल थे। इस दौरान कार्यक्रम संरक्षक बुढ़ऊ सिंह, शिविर प्रभारी शिवेन्द्र साहू, महामंत्री सुधा सिंह, बृजेन्द्र प्रताप सिंह, रवि कुमार, निखिल शर्मा, अंकित शर्मा, पंकज मिश्र, अंकित मंगल, शिवभूषण सिंह, शैलेन्द्र सिंह, कृष्ण प्रताप सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर जीआरपी व आरपीएफ चौकी खोलने की मांग

सभासद ने एसएस गोसाईगंज को सौंपा रेल मंत्री को संबोधित मांग पत्र

गोसाईगंज–अयोध्या(एजेंसी)। लखनऊ–बाराबंकी शाहगंज–जौनपुर रेलखंड स्थित पूर्वांचल में अयोध्या धाम के प्रथम प्रवेश द्वार तथा सरयू तट स्थित प्रसिद्ध सिद्धपीठ संत श्रृंगीऋषि के पावन स्थलीय क्षेत्र एवं जनपद की प्रमुख व्यावसायिक नगर गोसाईगंज रेलवे स्टेशन पर जीआरपीध् आरपी एफ चौकी खोलने की मांग गोसाईगंज नगर पंचायत की सभासद एवं श्री सीता राम जी विराजमान मंदिर सेवा ट्रस्ट कस्बा दिलासीगंज की सदस्य आरती जायसवाल ने रेल मंत्री को संबोधित पत्र गोसाईगंज स्टेशन अधीक्षक महेंद्र नाथ मिश्र को पत्र सौंपकर की है। पत्र की छाया प्रति रेलवे सुरक्षा बल के ए0 एन0 मिश्रा,महा निरीक्षक एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त उ0रे0 बड़ौदा हाउस नई दिल्ली,मनोज यादव महानिदेशक रेल भवन नई दिल्ली, देवांश शुक्ला वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त उरे0 हजरत गंज लखनऊ,वीरेंद्र प्रताप सिंह सहायक सुरक्षा आयुक्त उरे0 वाराणसी,मंडल रेल प्रबंधक उरे0 लखनऊ सहित जीआरपी के श्री प्रकाश डी0 अपर पुलिस महा निदेशक रेलवे लखनऊ उप्र0 एवं प्रशांत कुमार पुलिस अधीक्षक रेलवे अनुभाग लखनऊ उप्र0 को भी भेजी है। दिए गए पत्र में सभासद श्रीमती जायसवाल ने दर्शाया है कि गोसाईगंज स्टेशन से प्रतिदिन बीसो किमी चौतरफा परिधि के रेल यात्री हावड़ा,जम्मूतवी,गया, वाराणसी,मुरादाबाद,लखनऊ, कानपुर, इटावा, गाजियाबाद,सहारनपुर,अहमदाबाद,सूरत,नासिक,शहजहांपुर,बरेली,गया,गोरखपुर,फिरोजपुर,अमृतसर,फरीदाबाद,कपूरथला,चंडीगढ़,पठानकोट,हरिद्वार,देहरादून,ऋषिकेश,जोधपुर,बीकानेर,जम्मूतवी,श्रीनगर,भोपाल,हबीबगंज,पुणे,जालंधर,ब्यास,आमिर,अम्बाला,यमुनानगर,जगाधरी,पानीपत,सोनीपत,करनाल,कुरुक्षेत्र,बालामान,लुधियाना,मुंबई, दिल्ली,चेन्नई सहित अन्य नामी गिरामी रेलवे स्टेशन तक यात्रा करते हैं। अयोध्या धाम में राम जन्म भूमि मंदिर बनने के बाद जहां इस स्टेशन पर यात्रियों की संख्या बढ़ी हुई है वहीं गोसाईगंज स्टेशन पूर्व सांसद एवं मौजूदा एमएलसी हरिओम पांडे तथा रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति सदस्य पंकज सिंह का होम स्टेशन होने के बावजूद यहां रेल यात्रियों की सुरक्षा राम भरोसे है।गोसाईगंज स्टेशन को डबलिंग के बाद इसे बड़े स्टेशन के रूप में विस्तारित किया जा रहा है।यहा से अपध्डाउन साइड की 5 दर्जन गाड़ियां गुजरती है,जिसमें अपध्डाउन साइड की डेढ़ दर्जन से अधिक गाड़ियों का ठहराव होने के कारण 3 प्लेटफॉर्म वाले इस स्टेशन पर आरक्षितध्अनारक्षित टिकटों की बिक्री प्रतिदिन लाखों में होती है। आरपीएफध्जीआरपी चौकी न होने के कारण यात्रियों में जहां असुरक्षा की भावना बनी रहती हैं वही स्टेशन के पूर्वीध्पश्चिमी सिरे स्थित रेल बैरियर पर छोटे बड़े वाहनों के दबाव से यात्री ट्रेनें भी रेल बैरियर बंद न होने के कारण आउटर पर अपना सिग्नल लाल देखकर खड़ी हो जाती है।यहां की सुरक्षा व्यवस्था अकबरपुर में तैनात जीआरपीध्आरपीएफ के हवाले होने के कारण हैवी रेस्ट ट्रॉफिक भ्त्,आए दिन ट्रेनों पर होने वाली पत्थर बाजी, यात्री सामानों की चोरी की घटनाओं पर जहां अंकुश नहीं लग पाता है वहीं चौकी न होने के कारण आए दिन रेल कर्मियों से यात्रियों का किसी न किसी प्रकरण को लेकर विवाद होता रहता है।जनहित में गोसाईगंज स्टेशन पर जल्द से जल्द जीआरपीध्आरपीएफ चौकी खोलना अत्यंत जरूरी है। एस एस महेंद्र नाथ मिश्रा ने बताया कि सभासद श्रीमती जायसवाल का पत्र रेलमंत्री भारत सरकार को अग्रिम कारवाई हेतु भेज दिया जाएगा।

बृज किशोर होमियोपैथिक मेडिकल में होंगे एक्सरे, डेंटल ओपीडी भी होगी शुरू

अयोध्या(एजेंसी)। रामनगरी के लोगों के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी अच्छी खबर है। बृज किशोर होमियोपैथिक मेडिकल कॉलेज जनसेवाओं में बढ़ोतरी करने जा रहा है। यहां अब एक्सरे की सुविधा के अलावा ईसीजी जांच भी होगी। यही नहीं, अमेरिका से आक्सीजन कंसंट्रेटर भी पहुंच गए हैं। सांस के भर्ती मरीजों के लिए ये रामबाण साबित होंगे। अगर सब कुछ ठीक ठाक रहा तो नए वर्ष से सेवाओं की शुरुआत भी हो जाएगी। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। रोजाना बढ़ रही संख्या को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य को लेकर भी खासा व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अयोध्या के प्रत्येक सरकारी अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने का निर्देश दिया है। इसके साथ एक मल्टीस्पेसियलिटी अस्पताल भी राम मंदिर के पास खोलने का आदेश दिया था। सीएम के आदेशों का पालन करते हुए देवकाली स्थित होमियोपैथिक मेडिकल कॉलेज के सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।मेडिकल कॉलेज में अब डेंटल ओपीडी की शुरुआत होने जा रही है। इसके लिए शासन से एक डेंटल चेयर पहुंच चुकी है। इसके लिए एक ओपीडी कक्ष तैयार कराया जा रहा है। उसके तैयार होते ही ओपीडी शुरू होगी, लेकिन पेशेंट के आने पर ऑन कॉल डॉक्टर को बुलाया जाएगा।मेडिकल कालेज में ऑर्थो की ओपीडी नहीं है। ऐसे मरीजों को फिजिशियन देखते"। अमूमन बुजुर्ग मरीज ही यहां पहुंचते हैं। ऐसे में चिकित्सालय में आसानी से गठिया व सीने के एक्सरे भी करा सकेंगे। प्राचार्य डॉ. आशीष सिंह ने बताया कि योगी सरकार के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने एक संस्था की ओर से चार आक्सीजन कंसन्ट्रेटर दिलवाया है। भविष्य में दो और कंसन्ट्रेटर मिलेंगे। जनवरी से डिजिटल एक्सरे की सुविधा भी शुरू कर दी जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की उदासीनता के चलते धूल फांक रही उच्च कोटि की मशीन

सोहावल– अयोध्या(एजेंसी) ।स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और जिम्मेदारों की उपेक्षा का नतीजा है कि आज उच्च कोटि की जांच मशीनें होने के बावजूद मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। यह पिछले कुछ महीनों से सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों की धूल चाट रही है। मरीजों को महंगी जांच के लिए निजी पैथोलॉजी की शरण में जाना मजबूरी बन गई है जहां मनमाना शुल्क वसूला जा रहा है। सोहावल में पहले एक्सरे मशीन टेक्नीशियन की नियुक्ति थी तो मशीन नहीं थी करीब 2 वर्ष तक इंतजार के बाद मशीन आई और एक्सरे का लाभ मरीजों को मिलने लगा। अब पिछले कुछ माह पहले ही लीवर किडनी आदि से जुड़ी कई बीमारियों की जांच के लिए अधिकृत बताई जा रही तीन सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों को सिलेक्टरा मशीन की उपलब्धता विभाग से करा दी गई लेकिन रिजेंट और टेक्नीशियन की कमी से यह 5 से 8 लाख तक की मशीनें धूल चाट रही है। पूरा बाजार, रुदौली, सोहावल तीनों सामुदायिक स्वास्थ केंद्रों की हालत एक जैसी है। जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते मशीन के संचालन में प्रयोग होने वाले रिजेंट और टेक्नीशियन की नियुक्ति न होने से पूरी जांच प्रक्रिया बाधित है। एच जी ओ टी, कैल्शियम पोटेशियम की जांच सहित लिपिट प्रोफाइल आदि के लिए अधिकृत बताई जा रही हैं। इस मशीन की बाबत पूछे जाने पर सोहावल सीएचसी के प्रभारी डॉक्टर प्रेमचंद ने बताया जिले की तीनों सीएचसी में कुछ महीना पहले यह जांच मशीन स्थापित की गई है। लेकिन मशीन में प्रयोग किए जाने वाले रिजेंट की आपूर्ति और टेक्नीशियन की नियुक्ति न होने से संचालन में में नहीं आ पा रही है। जल्द ही जांच सुविधा उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रायोगिक परीक्षाओं के लिए अवध विवि ने 31 तक आनलाइन पोर्टल खोला

अयोध्या(एजेंसी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने एन०ई०पी०–2020 के अन्तर्गत संचालित वर्ष–2025 की स्नातक प्रथम, तृतीय एवं पंचम सेमेस्टर तथा परास्नातक प्रथम एवं तृतीय सेमेस्टर की प्रायोगिक, सेशनल, मौखिकी, प्रोजेक्ट वर्क की परीक्षाओं से सम्बन्धित ऑनलाइन पोर्टल 31 दिसम्बर तक के लिए खोल दिया है। विश्वविद्यालय व सम्बद्ध महाविद्यालय नियमानुसार आन्तरिक व वाहय परीक्षकों को नियुक्त करते हुए प्रायोगिक, सेशनल, मौखिकी और प्रोजेक्ट वर्क की परीक्षाएं सम्पन्न करायेंगे। विवि के परीक्षा नियंत्रक उमानाथ ने बताया कि 08 दिसम्बर से स्नातक व परास्नातक विषम सेमेस्टर की प्रायोगिक, सेशनल, मौखिकी, प्रोजेक्ट वर्क की परीक्षाओं के सम्पादनार्थ आन्तरिक व वाहय परीक्षकों की परीक्षार्थियों के साथ स्पष्ट जियो टैग फोटो तथा तत्सम्बन्धी अंकों को आनलॉइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इसके अतिरिक्त मूल अंकपर्ण जियो टैग फोटो के साथ अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में अनिवार्य रूप से संस्थान द्वारा जमा कराई जायेगी। समस्त प्रक्रिया सम्पन्न न कराने की स्थिति में महाविद्यालय स्वयं उत्तरदायी होंगे। मीडिया प्रभारी डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि उक्त सूचना से समस्त विभागाध्यक्ष, समन्वयक एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों के प्राचार्यो को अवगत कराया जा चुका है।

बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दें विद्यालय : वेद गुप्ता

-धूमधाम से मनाया गया राज शिशु प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव

अयोध्या(एजेंसी)। अयोध्या दिल्ली दरवाजा स्थित राज शिशु प्ले स्कूल का वार्षिक उत्सव बड़े धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने सर्वप्रथम मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।कार्यक्रम में बच्चों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिसमें नृत्य, संगीत और नाटक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। राम राज्य की झांकी में हनुमान बने आरव कुमार ने राम नाम की धुन पर मनमोहक प्रस्तुति दी। मोबाइल के दुष्परिणामों को देखते हुए जागरूकता के लिए नैतिक कुमार, आयुष, अनमोल कुमार ने प्रस्तुति दी। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर भी जोर देते हुए बच्चों और उनके अभिभावकों को शुभकामनाएं दीं।शिक्षा केवल किताबों तक सीमित नहीं बल्कि यह जीवन के हर पहलू को समझने और अपनाने का नाम है विद्यालय बच्चों को अच्छे शिक्षा के साथ–साथ संस्कार भी दे रहा है शिक्षकों को धन्यवाद देता हूं कि बच्चों को न केवल पढ़ाया बल्कि उनके चरित्र निर्माण में भी योगदान दिया। सरकार शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार की दिशा में काम कर रही है ताकि हर बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सके और अपने सपनों को साकार कर सकें।कार्यक्रम के समापन पर अयोध्या विधायक ने सभी बच्चों को आशीर्वाद देते हुए उनकी उज्जवल भविष्य की कामना की। आयोजन को लेकर विद्यालय के प्रबंधक दिग्विजय गर्ग,प्रधानाचार्य संतोष गर्ग ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान वंशिका गुप्ता, मोहम्मद हसन, ज्योति शर्मा, ज्योति यादव आदि मौजूद रहे

हर्षोल्लास के साथ मनाई गई गीता जयंती

अयोध्या(एजेंसी)। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा खेल एवं योग विज्ञान संस्थान में गीता जयंती के पावन पर्व बड़े ही उत्साह

व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में संस्थान के सभी आचार्यों एवं विद्यार्थियों ने अपने–अपने पाठ्य ग्रंथ श्रीमद् भागवद्गीता का वैदिक रीति से भावपूर्ण पूजन एवं दीप महायज्ञ किया। इसके साथ ही संसार में प्रत्येक व्यक्ति के अन्तरूकरण में स्वाध्यायशीलता के श्रेष्ठ गुण के साथ श्रीमद् भागवद्गीता के आदर्शों की स्थापना हो सके इसी उद्देश्य से विद्यार्थियों ने योगेश्वर भगवान् श्रीकृष्ण का नाम कीर्तन एवं श्रीमद्भगवद्गीता श्लोकों का सस्वर पाठ किया। शारीरिक शिक्षा, खेल विभाग के डॉ. अनिल मिश्रा एवं डॉ. अर्जुन सिंह ने श्रीमद्भगवतद्गीता के महात्म्य एवं विद्यार्थियों के समग्र स्वास्थ्य एवं समग्र विकास में श्रीमद्भगवद्गीता के योगदान के विषय में संबोधित किया। योग विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य अनुराग सोनी ने विद्यार्थियों को गीता के बोधगम्य एवं हितकारी तथ्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन योग विज्ञान विभाग की सहायक आचार्या सुश्री गायत्री वर्मा ने किया। कार्यक्रम में समस्त विद्यार्थियों सहित शारीरिक शिक्षा खेल एवं योग विज्ञान संस्थान डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. कपिल राणा, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. अनुराग पांडेय, डॉ. त्रिलोकी यादव, डॉ. मोहिनी पांडेय, स्वाति उपाध्याय, अनुराग सोनी, आलोक तिवारी सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में खलिहान में लगी आग 19 बीघा धान की फसल जलकर राख

ड्रमंडगंज, मीरजापुर (एजेंसी)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के मीरजापुर प्रयागराज सीमा पर स्थित प्रयागराज जिले के मड़फा कलां निवासी तीन किसानों की मड़ाई के लिए रखी 19 बीघा धान की फसल में अज्ञात कारणों से मंगलवार की रात दस बजे आग लग गई।आग की लपटे उठती देखकर किसान शोरगुल मचाते हुए खलिहान पर पहुंचे। लेकिन तब तक आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। सूचना पर दो घंटे बाद फायर ब्रिगेड की गाड़ी पहुंची लेकिन तब तक सबकुछ जलकर राख हो चुका था। बुधवार दोपहर तक खलिहान में आग सुलगती रही।मड़फा कलां गांव निवासी किसान सरजू प्रसाद पाण्डेय संगम लाल पांडेय व आद्या प्रसाद पाण्डेय तीनों सगे भाई हैं। क्षेत्र के महेशपुर गांव में उनकी साढ़े नौ बीघा जमीन व गांव मड़फा कलां गांव में दस बीघा जमीन है।कुल साढ़े उन्नीस बीघा धान की फसल मड़ाई के लिए मड़फा कलां और महेशपुर गांव की सीमा पर तीन जगहों पर खलिहान में रखे हुए थे जहां मंगलवार देर रात खलिहान में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई। मौके पर ग्रामीण डिब्बा बाल्टी में पानी लेकर पहुंचे लेकिन आग बुझाने में सफलता हाथ नही लगी। घटना की खबर पाकर मौके पर पहुंचे प्रधान पति बैजनाथ बिंद ने पीड़ित किसानों को शासन से हर संभव मदद दिलाने का आश्वासन दिया। वहीं बुधवार दोपहर तहसीलदार कोरांव विनोद बरनवाल ने भी घटना की जांच कर किसानों को शासन से मुआवजा दिलाने का आश्वासन दिया। तहसीलदार कोरांव विनोद बरनवाल ने एसडीएम लालगंज आशाराम वर्मा से भी किसानों को शासन से मुआवजा दिलाने के संबंध में वार्ता की।आग से करीब छह लाख रुपए की क्षति बताई जा रही है।इस संबंध में एसडीएम आशाराम वर्मा ने बताया कि आग से जलकर राख हुई धान फसल का मुआवजा किसानों को शासन दिलवाया जाएगा।

कुम्भ के दौरान विन्ध्याचल में श्रद्धालुओं के लिए नवरात्र जैसी व्यवस्था -जिलाधिकारी

मीरजापुर (एजेंसी)। आगामी महाकुम्भ–2025 के दृष्टिगत विन्ध्याचल एवं मीरजापुर में आने वाले यात्रियों तथा कुम्भ मेला में भीड़ बढ़ने के उपरान्त जनपद मीरजापुर में भीड़ प्रबन्धन एवं सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू ढंग से सम्पादित कराने के लिए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन ने एडीआरएम रेलवे प्रयागराज जोन व मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी शिव प्रताप शुक्ल सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारियों के साथ रेलवे स्टेशन विन्ध्याचल एवं रेलवे स्टेशन मीरजापुर पर भ्रमण कर कुम्भ मेला के दौरान आने वाले यात्रियों की जन सुविधाएं उपलब्ध कराने के दृष्टिगत निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने रेलवे स्टेशन मीरजापुर व विन्ध्याचल पर ट्रेनो के ठहराव, ट्रेनो के समय सारणी, देर आने वाली ट्रेनी की स्थिति, आरपीएफ एवं जीआरपी के द्वारा अतिरिक्त फोर्स एवं ड्यूटी प्वाइंट की व्यवस्था के साथ ही रेलवे स्टेशन के बाहर आटो टैक्सी स्टैण्ड, पार्किंग, रैन बसेरा एवं प्लेटफार्मो व स्टेशन के बाहर पेयजल, शौचालय, फायर बिग्रेड आदि की व्यवस्था सुनिश्चित कराने का निर्देश स्टेशन अधीक्षक एवं अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर को दिया। उन्होंने कहा कि ट्रेनों के आने पर पब्लिक एड्रेस सिस्टम की पर्याप्त व्यवस्था हो इसके अतिरिक्त बुकिंग काउंटर अलग–अलग स्थलों पर बनाए जाए। प्लेटफार्मो पर यात्रियों के एक से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने हेतु सम्पार फुटवेज की व्यवस्था को भी सुदृढ़ बनाए रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रयास यह रखा जाए कि अप व डाउन ट्रेन जिस रूट पर आ रहे है उसी पर रखा जाए अपरिहार्य परिस्थितियों को छोड़कर ट्रेन आने वाले प्लेटफार्म अन्यत्र न बदला जाए। उन्होंने कहा कि समस्त ड्यूटी व ड्यूटी प्वाइंट पर लगे अधिकारियों के नम्बर भी पुलिस अधीक्षक व जिला प्रशासन को उपलब्ध कराया जाए। स्टेशन पर आने जाने वाले मार्गो का सुन्दरीकरण, साइनेज बोर्ड, पर्याप्त मात्रा सीसीटीवी कैमरा भी लगाया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि यदि प्रयागराज में भीड़ बढ़ती है तो मीरजापुर व विन्ध्याचल में ट्रेनो का ठहराव कर यात्रियों को अग्रिम सूचना तक रोका जा सकता है अतएव सभी व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित करा ली जाए। जीआरपी के साथ उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम भी कंट्रोल के लिए लगाई जाएगी। इस अवसर पर नगर मजिस्ट्रेट लाल बहादुर सिंह, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर गोवा लाल, स्टेशन अधीक्षक सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहें। कुम्भ के दौरान विन्ध्याचल में श्रद्धालुओं के लिए रहेगी पर्याप्त व्यवस्थाआगामी कुम्भ मेला–2025 को देखते हुए जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन व पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने विन्ध्याचल में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा दर्शन व सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत कलेक्ट्रेट सभागार में विभिन्न प्रमुख विभागो के अधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारियों के रणनीति पर विचार विर्मश कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि कुम्भ मेला प्रयागराज–2025 में 40 करोड़ श्रद्धालुओ की आने की सम्भावना की जा रही है जिसमें से लगभग 12 प्रतिशत श्रद्धालु मीरजापुर विन्ध्याचल होकर कुम्भ मेला जाने का अनुमान है। मीरजापुर विन्ध्याचल होते हुए कुम्भ मेला जाने वाले श्रद्धालु विन्ध्याचल में भी दर्शन पूजन व स्नान के लिए रूकते है जिनकी जन सुविधाओं की तैयारियों के सम्बन्ध में सभी सम्बन्धित अधिकारी नवरात्र मेला की भांति विन्ध्याचल में तैयारियां सुनिश्चित करे। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका मीरजापुर को निर्देशित करते हुए कहा कि विन्ध्याचल के प्रमुख स्थलों, स्थायी व अस्थायी रैन बसेरो के पास पर्याप्त मात्रा में पेयजल आपूर्ति, शौचालय की व्यवस्था, रैन बसेरो में यात्रियों की रूकने व ठंड से बचाव की व्यवस्था, अलाव की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करायेंगे, इसके अतिरिक्त जिला पंचायत परिषद व नगर पालिका के द्वारा घाटो पर पर्याप्त बैरीकेटिंग, सुरक्षा व्यवस्था, लाइटिंग, अस्थायी शौचालय सुनिश्चित करायेंगे।

विद्यालय में बच्चों को पोषक तत्व वितरित

घघसरा जिलाधिकारी के निर्देशानुसार नगर पंचायत घघसरा के वार्ड नंबर 12, शहीद जेठू नगर में स्थित कम्पोजिट पूर्व माध्यमिक विद्यालय में बृहस्पतिवार को छात्रों के बीच पोषक तत्व वितरित किए गए। इस योजना का उद्देश्य बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास को बढ़ावा देना है।प्रधानाध्यापक जनार्दन धर दूबे की देखरेख में पीएम पोषण योजना के तहत अतिरिक्त पोषण आहार दिया गया। फ्लेक्सी फंड सप्लिमेंट्री न्यूट्रीशन के अंतर्गत इस पहल को प्रदेशभर में लागू किया गया है। कार्यक्रम के दौरान सहायक अध्यापिका असमा खातून, शिक्षामित्र गीता, रसोइया रीना, कमलेश और सावित्री सहित विद्यालय के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे। बच्चों और उनके अभिभावकों ने इस प्रयास की सराहना की और इसे बच्चों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

पूर्व अध्यापक का निधन

घघसरा (गोरखपुर), नगर पंचायत घघसरा के ग्राम नचनी निवासी और लंबे समय तक शिक्षा क्षेत्र में योगदान देने वाले पूर्व अध्यापक सीताराम चौरसिया (81 वर्ष) का बृहस्पतिवार सुबह 8 बजे निधन हो गया। वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे। सीताराम चौरसिया ने परिषदीय विद्यालय में अपना पूरा कार्यकाल ईमानदारी और समर्पण के साथ पूरा किया। सेवानिवृत्ति के बाद वह घर पर रहकर परिवार के साथ समय बिता रहे थे। उनके सरल स्वभाव, मृदुभाषिता और सामाजिक जुड़ाव के कारण क्षेत्र में उन्हें बेहद सम्मान प्राप्त था।उनके निधन की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। अंतिम दर्शन के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण उनके आवास पर पहुंचे। उनका अंतिम संस्कार आमी नदी के तट पर उनके ज्येष्ठ पुत्र राम अवध चौरसिया ने सनातन परंपरा के अनुसार किया। वे अपने पीछे पत्नी सीता देवी, तीन पुत्र राम अवध चौरसिया, राम वचन चौरसिया और दूधनाथ चौरसिया को छोड़ गए।

बांसगांव महाविद्यालय में भारत की आंतरिक सुरक्षा पर वेबिनार आयोजित

बांसगांव ।महाविद्यालय, भटवली बाजार, उनवल (गोरखपुर) में आईक्यूएसी (प्फ ।ब्) सेल और रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ष्भारत की आंतरिक सुरक्षा की मुख्य चुनौतियांष विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र कुमार ने कहा कि किसी भी देश की आंतरिक सुरक्षा उसके पड़ोसी देशों की गतिविधियों से प्रभावित होती है। उन्होंने पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे पड़ोसी देशों द्वारा उत्पन्न खतरों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को क्षेत्रवाद, भाषावाद, नक्सलवाद, आतंकवाद, भ्रष्टाचार और हथियारों की तस्करी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने म्यांमार और बांग्लादेश के रास्ते भारत में हो रही हथियारों की तस्करी को भी गंभीर चुनौती बताया। डॉ. जितेन्द्र ने आपदा प्रबंधन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्राकृतिक और मानव–निर्मित आपदाएं राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। उन्होंने मानवीय आपदाओं को नियंत्रित करने और राष्ट्रीय सुरक्षा के दृष्टिकोण से उन्हें महत्वपूर्ण करार दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्राचार्य डॉ. राकेश कुमार ओझा ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा तभी संभव है जब नागरिक अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन करें। उन्होंने एकजुटता को राष्ट्रीय सुरक्षा का आधार बताया। आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. सनोज कुमार चौहान ने सीमा सुरक्षा और निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाहरी असामाजिक तत्वों को रोकने के लिए प्रभावी सुरक्षा तंत्र जरूरी है। इस अवसर पर रक्षा एवं रणनीतिक अध्ययन विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनूप कुमार श्रीवास्तव ने विषय का प्रवर्तन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के डॉ. प्रतिभा, डॉ. विमल, डॉ. चन्द्रेश कुमार पाण्डेय, डॉ. मोहित, डॉ. क्षमा, और डॉ. संजय प्रकाश दूबे ने भी राष्ट्रीय सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विचार व्यक्त किए। छात्र–छात्राओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। विकास, नंदनी, रणविजय और आकाश जैसे छात्रों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ हुआ।

उरुवा में नवागत ईओ ने संभाला कार्यभार

उरुवा, गोरखपुर। नगर पंचायत उरुवा कार्यालय पर बुधवार को

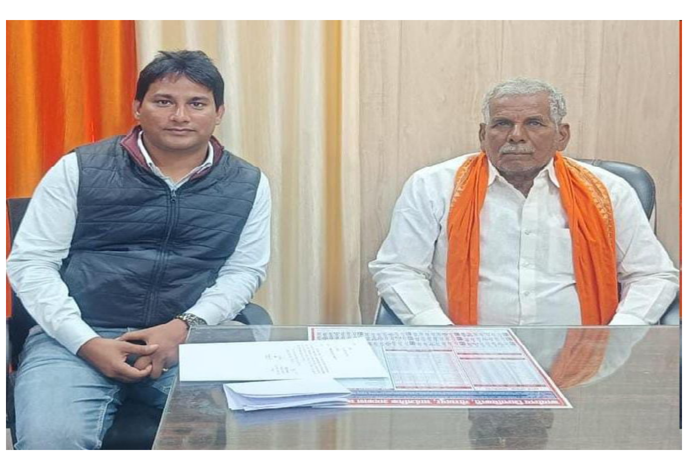

चेयरमैन रामफेर कन्नौजिया की उपस्थिति में नवागत अधिशासी अधिकारी विजय आनंद ने कार्यभार ग्रहण किया। पूर्व अधिशासी अधिकारी संजय तिवारी का स्थानांतरण गैर जनपद होने के बाद विजय आनंद ने पदभार संभाला। इस अवसर पर विजय आनंद ने कहा कि उनका प्राथमिक लक्ष्य नगर पंचायत क्षेत्र का समग्र विकास और लोगों की समस्याओं का समाधान करना होगा। कार्यभार ग्रहण के दौरान चेयरमैन प्रतिनिधि नवीन उर्फ मुन्ना सिंह, मंजीत सिंह, गौरव सिंह, पवन शर्मा, प्रियांशु, राहुल सिंह, राजेश यादव, संजय यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कम्प्यूटेशनल बायोलाजी सस्ती दवाओं को विकसित करने में महत्वपूर्ण

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के बॉयोटेक्नोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और एनवायर्नमेंटल साइंस विभाग द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन गुरुवार को किया गया।

खेल उत्सव के समापन दिवस पर बच्चों में दिखा अति उत्साह

गोला, गोरखपुर। एलपीएम पब्लिक स्कूल, गोला में आयोजित चार दिवसीय वार्षिक खेल उत्सव के समापन अवसर पर बच्चों का उत्साह चरम पर रहा। खेल उत्सव का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीओ गोला रत्नेश्वर सिंह, विशिष्ट अतिथि बीडीओ गोला दिवाकर सिंह, और प्रभारी निरीक्षक गोला वेद प्रकाश शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि रत्नेश्वर सिंह ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल शिक्षा का अभिन्न हिस्सा हैं, जो बच्चों में टीम भावना और संघर्ष करने की क्षमता विकसित करते हैं। विशिष्ट अतिथि दिवाकर सिंह ने कहा कि खेल हमें हार–जीत से आगे बढ़ने और संघर्ष करने की प्रेरणा देते हैं। विद्यालय के संरक्षक गिरधारी लाल स्वर्णकार और प्रबंधक भागीरथी स्वर्णकार ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों का उत्साहवर्धन किया। प्रबंधा निदेशक अमरनाथ वर्मा ने खेलों और पढ़ाई के संतुलन को जीवन के लिए महत्वपूर्ण बताया। सभी खेल आयोजन प्रशिक्षकों संतोष कुमार, मनोज कुमार, और अंबिका त्रिपाठी के कुशल निर्देशन में संपन्न हुए। प्रधानाचार्य एकता वर्मा और रेबरनडी के सिंह ने अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कला शिक्षक प्रमोद मिश्र, किरण यादव, धीरेंद्र आनंद और योग शिक्षिका साधना त्रिपाठी ने कार्यक्रम की साज–सज्जा में योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन करुणेश मिश्रा और दुर्गेशधर दुबे ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर मनीष यादव, अनूप सिंह, राहुल चंद, कुलदीप चंद, प्रेम प्रकाश शुक्ला, शिवदत्त शर्मा, आराध्या राय, पूजा त्रिपाठी, खुशबू दुबे, और आयुषी शाही ने भी सहयोग प्रदान किया।

फिल्म अभिनेता सी पी भट्ट ने आयोजित किया नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर

सहजनवां, गोरखपुर। फिल्म अभिनेता और जनसेवक सी पी भट्ट उर्फ ढेला बाबा ने 12 दिसंबर को अपने अभियान के तहत राज आई हॉस्पिटल, ग्राम सभा पुण्डा में अंधता निवारण जांच शिविर आयोजित कराया। शिविर गोरखपुर के सहयोग से निरूशुल्क नेत्र पहुंचे। कई मरीजों का निरूशुल्क में सैकड़ों महिला–पुरुष और बच्चे कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मोतियाबिंद ऑपरेशन किया जाएगा। भट्ट ने कहा कि आर्थिक अभाव में पाली शशि प्रताप सिंह थे। सी पी देते हैं, और ऐसे जरूरतमंदों की सेवा लोग अपनी आंखों की रोशनी खो जनता को भरोसा दिलाया कि जल्द करना उनका कर्तव्य है। उन्होंने भी शिविर लगाए जाएंगे। कार्यक्रम ही अन्य बीमारियों के इलाज के लिए मौर्या और प्रबंधक विकास भट्ट (अध के संयोजक प्रधान प्रतिनिधि मनोज अतिथि किरन भट्ट (अध्यक्ष, सहयोग यापक व समाजसेवी) थे। विशिष्ट में संजय भट्ट, ज्ञान भट्ट, रंजीत भट्ट, वेलफेयर सोसायटी) रहीं। सहयोगियों भट्ट, बलराम भट्ट और अखिलेश भट्ट राम प्रवेश भट्ट, इंजीनियर अभिनय शामिल थे। राज आई हॉस्पिटल के विशेषज्ञ राज रतन राव, हारून, ऋषि मौर्या, अरुण सहानी और शमशाद अंसारी ने नेत्र परीक्षण किया।

चायनीज मांझा और पोलिथिन में सामान नही बिकने चाहिए

जौनपुर । जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिती में जिला शांति समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सम्बन्धित अधिकारीगण आगामी महाकुंभ के दृष्टिगत सभी प्रकार की व्यवस्थाएं जैसे सड़क, प्रकाश व्यवस्था, यातायात व्यवस्था सुनिश्चित कर लिया जाए। उन्होंने व्यापार मंडल के पदाधिकारियों से भी सहयोग करने की अपील की। जनपद में चाइनीज मांझा की बिक्री पर सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि अभियान चलाकर चाइनीज मांझा बिक्री करने वालों पर कार्यवाही की जाए, इसके साथ ही संबंधित एसएचओ और हल्का सिपाही की भी जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने ई–रिक्शा से संबंधित रूट डाइवर्जन, रूट प्लान व्यवस्था आदि को व्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद जौनपुर को निर्देशित किया कि व्यापारियों को जागरूक किया जाए कि बिक्री के दौरान वे सड़कों पर अतिक्रमण न करें। उन्होंने कहा कि प्रतिबंधित पॉलिथीन में सामानों की बिक्री न किया जाए इसके साथ ही इसका प्रयोग भी ना करने की सलाह सभी को दी। पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा ने कहा कि पुलिस प्रशासन जनपद में अमन चौन कायम रखने के लिए कटिबद्ध है, शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर सख्त कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राम अक्षयबर चौहान सहित शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

कौड़ीराम ब्लाक के परिषदीय बच्चों ने किया एक्सपोजर विजिट

कौड़ीराम गोरखपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत गुरुवार को कौड़ीराम ब्लाक के परिषदीय बच्चों को एक्सपोजर विजिट पर भेजा गया। भ्रमण के दौरान चिड़ियाघर और रेल म्यूजियम देख बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे।खण्ड शिक्षा अधिकारी जय प्रकाश मौर्य के देखरेख में ब्लॉक के सौ चयनित छात्र छात्राओं को सुबह नौ बजे से बीआरसी कौड़ीराम परिसर दे दो बसों से रवाना किया गया। बच्चों ने चिड़ियाघर, रेल म्यूजियम और नौका विहार का भ्रमण कराकर शाम को सकुशल घर पहुंचाया गया। भ्रमण पर जाने वाले बच्चों को टी–शर्ट, टोपी, लंच पैकेट, ब्रेकफास्ट आदि का वितरण किया गया। भ्रमण कार्यक्रम में एआरपी रामराज, अरुण पाठक, प्रदीप कुमार गौड़, कपिल मुनि, रवि कुमार, संजय यादव, चंद्रकांती गुप्ता, रूपा राय, रंजना राय, दीपिका सिंह, सुधाकर पांडेय, आशीष गुप्ता, विष्णु दत्त आदि बतौर मार्गदर्शक शामिल रहें।

बिना नंबर के आटो की तेज रफ्तार से बढ़ रहे हादसे, यात्रियों की सुरक्षा पर सवाल

पीपीगंजध्भरोहिया गोरखपुर । बांसगांव सन्देश। पीपीगंज में नियमों को ठेंगा दिखाते हुए बिना नंबर के आटो सड़क पर धड़ल्ले से दौड़ रहे है। दिन पर भर सड़क पर फर्राटा भरने के बाद भी इन पर न तो एआरटीओ विभाग और न ही पुलिस और यातायात विभाग की नजर पड़ती है। आटो की तेज रफ्तार कई बार र सड़क पर दुर्घटना का सबब भी बन जाती है।स्थानीय लोगों के द्वारा कहा जाता है कि आटो पर नंबर नहीं होने के चलते दुर्घटना के वक्त इनकी शिनाख्त नहीं हो पाती है। पीपीगंज के पुलिस चौकी के सामने से अकटहवा जाने वाली, पीपीगंज से बढ़ेया जाने वाली व पीपीगंज से जसवल मार्ग पर बिना नंबर के आटो वालों की तेज रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। एक तरफ सरकार द्वारा हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने का आदेश जारी किया है। वहीं दूसरी तरफ आरटीओ व ट्रैफिक पुलिस की मिलीभगत से चल रही हैं बिना नंबर प्लेट की अवैध आटो गाड़ी। आटो पर पीछे नंबर की जगह तरह–तरह की चीजें लिखी होती हैं । दुर्घटना होने के बाद बिना नंबर के आटो वाले फरार हो जाते हैं। जिससे किसी भी कार्रवाई से बच जाते हैं।

मनरेगा योजना के नाम पर हो रहा सरकारी धन का बंदरबांट

विकास खण्ड बघौली का मामला

संत कबीर नगर। बांसगांव संदेश आशुतोष विक्रम सिंह । एक तरफ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना मनरेगा ग्राम पंचायतों को सुदृढ़ व सबल बना रही हैं।साथ ही श्रमिकों को उनके घर के पास ही काम देकर उन्हें जीविका दिया जा रहा है।लेकिन कहीं–कहीं इस योजना में सरकारी धन का जमकर दुरुपयोग हो रहा है।जिससे सरकार की मंशा दम तोड़ती दिख रही है।सब कुछ जानने के बाद भी जिम्मेदार जांच और औचक निरीक्षण के बजाय कार्यालय से ही सब चंगा सी की रिपोर्ट लगाकर अपने कर्त्तव्यों की इतिश्री कर ले रहे हैं।

ताजा मामला बघौली ब्लाक का है जहां पर मनरेगा के नाम पर सरकारी धन की बंदर बांट मची है।वर्तमान में अधिकांश खेतों मे रबी की बुआई हो चूकी है ।लेकिन बघौली ब्लाक के दर्जनों गांव में मेड़बंदी,चकरोड आदि मिट्टी कार्य मनरेगा योजना से जारी है।कई ग्राम पंचायतों में सैकड़ों मजदूरों की आनलाईन हाजिरी प्रतिदिन लगायी जा रही है।जबकि मौके पर दर्जनों मजदूर भी दिखायी नहीं दे रहे हैं।सूत्र बताते हैं कि ग्राम पंचायतों में मनरेगा कार्यों की जांच के दौरान कोरम पूरा कर लिया जाता है और हरी झण्डी दे दी जा रही है।इस समय बाहिलपार में 106, चन्दनी में 126, चाँदीड़ीहा में 130, छरौंछ में 114, देवापार में 199, गंगौली में 127, हावपुर भड़ारी में 165, नाउडाड में 147, विहारे में 121, औरही में 111 समेत दर्जन भर गांव मे मेडबन्दी का कार्य केवल कागजो मे चल रहा है ।धरातल पर एक भी मजदुर नही है ।जिससे सरकारी धन का बंदरबांट बदस्तूर जारी है। इस संबध मे खण्ड विकास अधिकारी आनन्द कुमार गुप्त से बात किया तो उन्होने कहा कि अगर ऐसा है तो गंभीर विषय है जांच कर कार्यवाही की जायेगी ।

गगहा कैंपियरगंज अर्बन खोराबार कैंपियरगंज वारियर टीमें बनी विजेता

चौरीचौरा गोरखपुर। टीपीएल सीजन 3 टूर्नामेंट आयोजन के पांचवें दिन मजीठिया स्टेडियम में मैच के डॉ गोविंद राय की अध्यक्षता में उमेश शुक्ला के देखरेख में मैच हुआ। जिसमें गगहा, कैम्पियरगंज, कैम्पियरगंज अर्बन, खोराबार की टीम ने मैच जीत लिया। टूर्नामेंट के आयोजक पंकज सिंह, अमरेंद्र शाही के नेतृत्व में गुरुवार का मैचपहला मैच कौड़ीराम व कैम्पियरगंज अर्बन के बीच हुआ। जिसमें कैम्पियरगंज ने टॉस जीतकर 84 रन बनाया।

जवाब में कौड़ीराम यह मैच 1 रन से हार गई। मैन ऑफ द मैच चंद्रमणि को मिला। दूसरा मैच सरदारनगर व कैम्पियरगंज वारियर्स के बीच हुआ। जिसमें कैम्पियरगंज ने टॉस जीतकर 95 रन बनाया। इसके जवाब में सरदारनगर सिर्फ 42 रन ही बना सकी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अर्जुन को मिला। तीसरा मैच गगहा व बेलघाट राइजिंग के बीच हुआ। गगहा टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 129ध्3 रन बनाया।

बेलघाट ने निर्धारित 10 ओवर में मात्र 56 रन बना सकी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार विजयंत को मिली।

बीआरसी गोला से शिक्षकों और बच्चों का शैक्षणिक भ्रमण

गोला, गोरखपुर। ब्लॉक संसाधन केंद्र गोला से गुरुवार को प्राथमिक

शिक्षक संघ के अध्यक्ष काशीनाथ तिवारी द्वारा जूनियर और कम्पोजिट विद्यालय के बच्चों और शिक्षकों को शैक्षणिक भ्रमण के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। भ्रमण के दौरान बच्चों को रेल म्यूजियम, चिड़ियाघर और तारामंडल जैसे प्रसिद्ध स्थलों का दौरा कराया जाएगा। इस शैक्षणिक यात्रा में एआरपी विपिन कुमार मिश्रा, रामनयन शुक्ला, रणधीर सिंह, रामकृष्ण शुक्ला, रणजीत, अनिल भारती, विद्यासागर शुक्ला, बासु मौर्या, पूनम मिश्रा और रिंकी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। भक्तों की रक्षा के लिए भगवान कृष्ण ने धारण किया गोवर्धन पर्वत

भैंस का किया गया रेस्क्यू

गगहा, गोरखपुर। क्षेत्र के वासूडिहा, सिसायल निवासी पशुपालक रणजीत सिंह बबलू की भैंस शौचालय की टंकी में गिर गई। ग्रामीणों और जेसीबी ड्राइवर की सूझबूझ से भैंस को सुरक्षित बाहर निकाला गया। रणजीत सिंह ने बताया कि भोर में टंकी का स्लैब टूटने के कारण यह घटना हुई। मौके पर पहुंचे पूर्व जिला पंचायत सदस्य शैलेंद्र सिंह ने कहा कि ऐसी टंकियों को मजबूत बनाना चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी दुर्घटनाएं रोकी जा सकें। इस अवसर पर प्रदीप सिंह, गब्बर शाही, संतोष सिंह और अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

भक्तों की रक्षा के लिए भगवान कृष्ण ने धारण किया गोवर्धन पर्वत

गोला गोरखपुर। ग्राम सभा हड़हाभार में चल रही संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के षष्ठम दिवस पर कथा व्यास आचार्य जितेंद्र राम त्रिपाठी ने भगवान कृष्ण की लीलाओं का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि भगवान कृष्ण ने इंद्र के प्रकोप से ब्रजवासियों की रक्षा के लिए गोवर्धन पर्वत धारण किया। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण और बलराम के मथुरा गमन, कंस वध और रुक्मिणी मंगल की कथा सुनाई गई। व्यास ने बताया कि भक्ति का सर्वोच्च स्वरूप मन से किया गया कार्य है। इस अवसर पर मुख्य यजमान डॉ. नागेंद्र पांडेय, मनीष पांडेय और अन्य भक्तों ने व्यास का पूजन और आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा में भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नगर पंचायत उनवल में बिजली विभाग द्वारा एकमुश्त समाधान योजना की रैली

उनवल, गोरखपुर। नगर पंचायत उनवल में विद्युत वितरण खंड खजनी, उनवल के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा एकमुश्त समाधान योजना के तहत रैली निकाली गई। रैली का उद्देश्य जनता को योजना के बारे में जागरूक करना और बकाया बिजली बिल जमा करने के लिए प्रेरित करना था। इस दौरान विभाग ने उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए भी अपील की। अधिकारियों ने बताया कि इस योजना के माध्यम से उपभोक्ता अपने लंबित बिलों का निपटारा कर सकते हैं और विभाग की ओर से दी जा रही छूट का लाभ उठा सकते हैं। रैली में स्थानीय लोगों को जागरूक करने के लिए विभिन्न स्थानों पर जानकारी दी गई और समय पर बिल जमा करने की अपील की गई। बिजली विभाग ने जनता से सहयोग की उम्मीद जताई है।

गगहा के परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने किया एक्सपोजर विजिट

गगहा गोरखपुर। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान के तहत गगहा ब्लाक के परिषदीय बच्चों को बुधवार को एक्सपोजर विजिट पर भेजा गया। बीईओ डॉ. प्रदीप शर्मा व ब्लॉक अध्यक्ष डा सुमंत कुमार सिंह ने बस को सुबह नौ बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन बच्चों को दीदउ गोरखपुर विश्वविद्यालय, रेल म्युजियम नौका विहार ले जाया गया। बच्चों को टी–शर्ट, टोपी, लंच पैकेट, रास्ते के लिए फल, पानी आदि का वितरण किया गया। प्राथमिक शिक्षक संघ गगहा इकाई के ब्लॉक मंत्री हामिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह, नोडल संकुल शिक्षक अनिल कुमार, राम सनेही प्रजापति, कुसुम, जानकी आदि उपस्थित रहे।

स्वामी,प्रकाशक,मुद्रक,**सम्पादक कपिल देव शुक्ल** द्वारा विभव प्रिंटर्स गाटा सं025 लोलेपुर सुलतानपुर उ० प्र०. से मुद्रित तथा सलीमपुर ग्रेन्ट, पो० व थाना कुरेभार, जिला–सुलतानपुर (उ०प्र०) से प्रकाशित **सम्पादक– कपिल देव शुक्ल**,
मो० 9415739288,9721748962
E-mail: kdshukla-79@gmail.com समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सुल्तानपुर न्यायालय होगा।